आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹96206/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹117500/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹128262/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, मंगलवार 9 दिसंबर 2025

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा-सरकार सर्व हित में लेती है फैसले, काले धन पर चोट का सिलसिला जारी ही रहेगा

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

हरिभूमि न्यूज/रायपुर। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने साफ कहा कि जमीन की नई गाइडलाइन के बाद काले धन का काम करने वालों को परेशानी हुई है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन हमारी सरकार कुछ लोगों के लिए काम करने वाली नहीं है। सरकार सर्व हित में फैसला लेती है। जनभावनाओं के अनुरूप फैसला लिया गया है। अलबत्ता काले धन पर चोट करने का सिलसिला प्रदेश में लगातार जारी रहेगा। काले धन के कारण ही देश और प्रदेश का विकास बाधित होता है। हमारी सरकार विकास के लिए काम करती है। ऐसे में काले धन पर चोट तो होती रहेगी। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ इस ज्वलंत मुद्दे पर बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश-

▸ **आपसे जमीनों की गाइडलाइन को लेकर जानना चाहते हैं कि मामला क्या है आखिर, क्या दो कदम आगे जाकर पीछे आए हैं या दो कदम और आगे गए हैं?**

▸▸ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार प्रदेश के आखिरी छोर में खड़े व्यक्ति को देखकर ही कोई भी फैसला करती है। पंजीयन और गाइडलाइन की जो प्रक्रिया है उसमें लगातार दो साल से रिफार्म किए जा हैं, ताकि आम जनता को लाभ हो सके। गाइडलाइन को लेकर कुछ आदेश पहले निकले, कुछ आज भी निकले हैं। पहले जो भी निर्णय लिए गए थे, वो आम जनों के हित में थे ताकि किसानों को सही मुआवजा मिल सके और मध्यम वर्ग को ऋण लेने में सुविधा मिल सके। आज जो आदेश किए हैं, उसमें कुछ बिंदुओं में बदलाव किया गया है। पहले यह था कि चाहे कोई आधा एकड़ ▸▸|शेष पेज 6 पर

▸ क्या चोट काले धन के खपाने पर की गई थी?

▸▸ आम जनता का हित ही हमारी सरकार का मकसद है। कहीं से भी ऐसी मंशा नहीं थी कि राजस्व में इजाफा कर लिया जाए। बाजार और गाइडलाइन के दाम में 10 से 15 गुना का अंतर हो जाए या किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं है। ऐसे कदम जब उठाए जाते हैं तो काला धन खपाने वालों को भी चोट होती ही है। इतनी ज्यादा कंडिका थी कि अगर किसी की सेटिंग हो गई तो कम दर लगा देते थे, सेटिंग न होने पर ज्यादा दर लगा देते थे। इन सबको समाप्त करने वाला फैसला हमने किया है।

▸ बड़ा खेल करने वालों की प्रतिक्रिया से साय सरकार घबरा तो नहीं गई?

▸▸ सरकार कुछ लोगों के हित के लिए काम करने वाली नहीं होती है। सरकार सर्व जन का हित देखती है।

▸ आम आदमी को नए नियम के बाद फ्लैट लेने में कितने की बचत होगी?

▸▸ पंजीयन शुल्क में जो पहले पैसे लगते थे, उसमें 20 से 30 फीसदी की बचत हो जाएगी।

▸ कोरोना काल में पंजीयन शुल्क 0.8 था उसको चार फीसदी कर दिया गया था, इसको कब कम किया जाएगा?

▸▸ कांग्रेस वालों को तो इससे कोई लेना-देना नहीं था, उनके पास तो कोयले का पैसा, शराब का पैसा, सट्टे का पैसा था जिसको खपाना था। ऐसे उदाहरण भी है कि दस दिनों के लिए गाइडलाइन रेट को कम कर दिया गया था। शीघ्र ही सरकार आम जनों के लिए उचित समय पर पंजीयन शुल्क में राहत देने का काम करेगी।

▸ आपने 31 दिसंबर तक जो सुझाव मंगाए हैं वो क्या है?

▸▸ जिन स्थानों पर किसी भी तरह की परेशानी है उसके लिए केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने 31 दिसंबर तक सुझाव मांगे हैं। अभी जो नई गाइडलाइन आई है वह लागू है, उस पर 31 दिसंबर तक कोई रोक नहीं है। जहां पर किसी भी तरह के संशोधन की जरूरत होगी, उसको आगे भी किया जाएगा, जैसे आज किया गया है। जहां पर अव्यवहारिकता वाली बात सामने आएगी उसको 31 दिसंबर के बाद ठीक कर लिया जाएगा। इसके बाद भी अगर कहीं परेशानी होगी तो उसको भी ठीक किया जाएगा। हमने एक्ट में बदलाव कर दिया है। अब अप्रैल में ही संशोधन वाली बात नहीं रह गई है। सरकार को जब लगेगा कि यहां पर संशोधन करना जरूरी है तो कभी भी संशोधन किया जा सकेगा।

▸ प्रदेश में क्या काले धन पर चोट करने वाले निर्णय आगे भी जारी रखेंगे?

▸▸ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे लिए प्रेरणा हैं। हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उनके पथ पर चल रहे हैं। काले धन को जब तक समाप्त नहीं किया जाएगा देश और प्रदेश का विकास नहीं होगा। इसके लिए जो भी कदम उठाने पड़ेंगे हम उठाएंगे।

साय सरकार ने जनभावनाओं के अनुरूप किया बदलाव, सीएम ने पहले ही दे दिए बदलाव के संकेत

गाइडलाइन दरों पर सरकार का बड़ा फैसला, इंक्रीमेंटल प्रणाली समाप्त

राज्य में इसी साल 20 नवंबर से लागू नई गाइडलाइन दरों के संबंध में प्राप्त सुझावों, ज्ञापनों और आपत्तियों पर विचार करने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक 7 दिसंबर को आयोजित की गई। बैठक में पंजीयन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से कई व्यापक निर्णय लिए गए,जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

बैठक में नगरीय क्षेत्रों में भूमि मूल्यांकन के लिए लागू इंक्रीमेंटल आधार पर गणना की व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय लिया गया। अब पुनः पूर्व प्रचलित स्लैब आधारित प्रणाली ही लागू रहेगी, जिसके अनुसार नगर निगम में 50 डेसिमल, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन किया जाएगा। इससे नगरीय क्षेत्रों में मूल्यांकन की जटिलता कम होगी और नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने यह भी निर्देश दिए कि हाल ही में बढ़ाई गई दरों पर प्राप्त सभी ज्ञापनों और सुझावों का परीक्षण कर जिला मूल्यांकन समितियाँ 31 दिसंबर 2025 तक अपने संशोधित प्रस्ताव भेजें। इन प्रस्तावों के आधार पर राज्य में आगे की गाइडलाइन दरों की संरचना तैयार की जाएगी। इस बैठक के साथ ही ▸▸|शेष पेज 6 पर

वर्गमीटर नहीं, हेक्टेयर दर पर

शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में अब 25 से 37.5 डिसमिल तक की कृषि भूमि का मूल्यांकन वर्गमीटर के बजाय हेक्टेयर दर से किया जाएगा। बरौदा (रायपुर) में 37.5 डिसमिल भूमि का मूल्य पहले 26.75 लाख रुपये था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार मात्र 6.30 लाख रुपये होगा। तालाब अथवा मछली टैंक वाली भूमि पर 1.5 गुना दर लगाने का प्रावधान तथा बाउंड्री वॉल और प्लिंथ लेवल के मूल्य जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है।

मुख्यमंत्री का बड़ा बयान

जमीन की गाइडलाइन दरों पर सीएम विष्णुदेव ने कहा- कर रहे पुनर्विचार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

जमीन की नई गाइडलाइन दरों पर जारी सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, नई दरों को लेकर विभाग स्तर पर चर्चा जारी है। उन्होंने साफ किया कि यदि जनता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा या खरीद–फरोख्त की प्रक्रिया प्रभावित हुई तो सरकार इस निर्णय पर दोबारा विचार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। छत्तीसगढ़ में जमीनों के लिए जारी की गई नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों ▸▸|शेष पेज 7 पर

राजनीतिक हलचल तेज

नई गाइडलाइन दरों के खिलाफ कई जगहों पर खुला विरोध शुरू हो चुका है, जिससे सरकार पर दबाव भी बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही इन दरों में संशोधन या राहत संबंधी कोई बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

आठ साल से स्थिर थीं जमीन दरें

मुख्यमंत्री के अनुसार, वर्ष 2017 के बाद से गाइडलाइन दरों में कोई संशोधन नहीं हुआ, जबकि नियमों के मुताबिक हर साल इसका अद्यतन होना जरूरी है। उन्होंने कहा, दरों में बढ़ोतरी के कई लाभ भी हैं, लेकिन वे अभी लोगों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाए हैं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनता को राहत देने के सभी विकल्प सरकार के स्तर पर गंभीरता से देखे जाएंगे।

कमर्शियल मुख्य मार्ग का फंडा

कमर्शियल कॉम्प्लेक्सों में मुख्य मार्ग से 20 मीटर दूरी पर स्थित संपत्तियों के लिए भूखंड की गाइडलाइन दर में 25 प्रतिशत की कमी करने का भी निर्णय लिया गया है। यह दूरी कॉम्प्लेक्स के मुख्य सड़क की ओर स्थित निर्मित हिस्से से मापी जाएगी, जिससे वास्तविक बाजार स्थिति के अनुरूप मूल्यांकन संभव होगा।

21 दरें थी, अब सिर्फ दो

नगरीय निकाय क्षेत्रों में पहले निर्मित संपत्तियों के लिए 21 प्रकार की दरें लागू थीं, जिन्हें घटाकर अब केवल दो प्रकार की दरें कर दिया गया है, जिससे मकानों का मूल्यांकन करना अब आम नागरिकों के लिए अत्यंत आसान हो गया है।

मूल्यांकन अब बिल्ट अप एरिया के आधार पर

बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान अथवा कार्यालय के अंतरण के समय अब मूल्यांकन सुपर बिल्ट-अप एरिया के बजाय बिल्ट-अप एरिया के आधार पर होगा। यह प्रावधान लंबे समय से मांग में था, जिससे वर्टिकल डेवलपमेंट को गति मिलेगी और शहरी भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही बहुमंजिला एवं कमर्शियल कॉम्प्लेक्स ▸▸|शेष पेज 6 पर

ग्रामीण इलाकों में सुधारः ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। परिवर्तित भूमि पर सिंचित भूमि के ढाई गुना मूल्य जोड़ने का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। दो फसली भूमि पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य जोड़ने, ट्यूबवेल, कुएं, वाणिज्यिक फसलों तथा वृक्षों के मूल्य को भूमि मूल्य में जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है। कांकेर में दर्ज एक उदाहरण में 600 वृक्षों के 78 लाख रुपये मूल्य को अब रजिस्ट्री में शामिल नहीं किया गया, जिससे खरीदार को लगभग 8.58 लाख रुपये की सीधी राहत मिली और पेड़ों की कटाई रोकने में भी यह कदम सहायक सिद्ध होगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

स्टेट बार काउंसिल में 30 फीसदी महिला आरक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महिला अधिवक्ताओं को लेकर बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिन राज्य बार काउंसिलों के चुनावों की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। वहां 30% सीटों पर महिला अधिवक्ताओं का प्रतिनिधित्व होना अनिवार्य रहेगा। इस साल के लिए सुप्रीम ▸▸|शेष पेज 6 पर

महिलाओं के चुनाव लड़ने पर क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, हमें यह पक्का करना होगा कि आंध्र प्रदेश, पंजाब एंड हरियाणा, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की उन चार बार काउंसिल में जो महिला सदस्य चुनाव लड़ रही हैं या लड़ने के लिए प्रस्ताव दे रही हैं। वकील-वोटर भी यह पक्का करने की कोशिश करेंगे कि बार की महिला सदस्यों को सही रिप्रेजेंटेशन मिले।

कैलास जीवन

मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

एडियोंका फटना

पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपडे से सुखाएँ. फटी एडियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ. मलना नही. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एडियों पर असर करेगा. एडियाँ और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

कील-मुहाँसे

चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सुती कपडेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

आँखों की जलन

गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रूई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

बवासीर / फिशर्स

एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

एड़ियों का फटना, मुहाँसे, हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुँह के छाले, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आजही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com

Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle

| Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com |

Distributors:
Raipur: Mahesh Medicos: 0771 - 2228437, Shree Gulab Traders: 0771 - 4047174
Bilaspur: Pankaj Medico Traders: 07752 - 401271,
Durg: Satyendra Medicos: 0788 - 2214827 / 4050827

शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कर रहे आत्मसमर्पण

नक्सल उन्मूलन के लिए आज का दिन ऐतिहासिक : सीएम साय

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सीमा पर सक्रिय इन 12 नक्सलियों के आत्मसमर्पण को लेकर राजनांदगांव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का यह दिन नक्सल उन्मूलन के लिए ऐतिहासिक दिन है । कई दशकों से हमारा प्रदेश नक्सलवाद से ग्रसित है जो प्रदेश के विकास में बाधक है । पहले भी यहां नक्सलवाद ▸▸|शेष पेज 6 पर

एमसी जोन में हुआ नक्सलवाद का खात्मा : प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह समर्पण नक्सल अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। यहां मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जोन के जो हेड हैं रामधेन उनका अपने साथियों के साथ समर्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में दो ही सीसी मेंबर थे। जिसमें एक ▸▸|शेष पेज 6 पर

एक करोड़ के ईनामी नेता समेत 12 हार्डकोर नक्सलियों का हथियारों के साथ समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजनांदगांव

जंगल में बढ़ते सुरक्षाबलों के दबाव और शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर राजनांदगांव जिले में मध्य प्रदेश - महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर सक्रिय 1 करोड़ के इनामी नक्सली लीडर केंद्रीय कमेटी मेंबर रामधेर सहित 12 नक्सलियों ने आज डीजीपी अरुण देव गौतम के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण किया। इन आत्म समर्पित नक्सलियों में 4 डीवीसीएम और अन्य 7 बड़े कैडर के नक्सली शामिल हैं। आत्म समर्पित लगभग सभी नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 95 लाख रुपए का इनाम घोषित था। तीन राज्यों की त्रिकोणी सीमा पर ▸▸|शेष पेज 6 पर

दस हथियारों के साथ समर्पण

पुलिस के समक्ष आत्म समर्पित इन नक्सलियों के द्वारा 10 हथियार भी समर्पण किया गया है । जिसमें 3 एके-47, 1 नग एसएलआर, 3 नग इंसास राइफल, 2 नग 303 राइफल और एक नग 30-कार्बन शामिल है ।

संविधान की पुस्तक देकर कराया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पित नक्सलियों को संविधान की पुस्तिका और पुष्प देकर उनका आत्मसमर्पण कराया गया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली रामधेर उर्फ हेरूप नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का मेंबर था, जो एमएमसी जोन संभालता था। इस पर 1 करोड़ 5 लाख रुपए का इनाम था। टांडा -मलाजखंड एरिया कमेटी सचिन चंदू उर्फ नरेश पर 33 लाख, अनीता उर्फ ललित पर 33 लाख, प्रेम उर्फ उमराव पर 33 लाख, जानकी उर्फ प्रेमा पर 33 लाख, राम सिंह उर्फ संपत पर 14 लाख, सुकेश उर्फ रंगा पर 14 लाख, शीला उर्फ वैसंती पर 6 लाख, लक्ष्मी उर्फ मनिता पर 6 लाख, योगिता उर्फ लक्ष्क्षी पर 6 लाख, सागर उर्फ रैनू पर 6 लाख और कविता पर 6 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

सुझाव, प्रस्ताव व ज्ञापन के आधार पर फैसला : वित्त मंत्री

ओपी चौधरी बोले - जमीन गाइडलाइन पर अब केवल दो प्रकार की ही दरें होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा, राज्य में लागू नवीन गाइड लाइन दरों के संबंध में विभिन्न हितधारकों से सुझाव, ज्ञापन एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन पर विचार कर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में निर्मित संपत्तियों के लिए अलग-अलग 21 प्रकार की दरें लागू थीं। अब केवल दो प्रकार की दरें ही लागू होंगी। ग्रामीण कृषि भूमि पर पहले तीन दर मुख्य मार्ग, सिंचित, असिंचित लगती थी। अब केवल दरें मुख्य मार्ग और सिंचित ही लागू, साथ ही असिंचित भूमि का मूल्यांकन सिंचित दर से 20 प्रतिशत कम पर होगा। अनेक दर होने के कारण आम जनों को अपने मकान के बाजार मूल्य की गणना करने में कठिनाई होती थी, अब केवल दो प्रकार की दर होने से गणना करना सरल व सहज हुआ है।

प्रदेश के वित्तमंत्री श्री चौधरी ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में संवाददाताओं से चर्चा में बताया कि नगरीय क्षेत्र में 1400 वर्ग मीटर तक भूखंडों के इंक्रीमेंटल आधार पर गणना के प्रावधान को समाप्त करते हुए पूर्व प्रचलित उपबंध अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल तक, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल तक और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन के प्रावधान को यथावत लागू किए जाने का निर्णय लिया गया।

25 प्रतिशत कमी कर मूल्यांकन

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में 20 मीटर पश्चात स्थित संपति के लिए भूखंड की दर में 25 प्रतिशत कमी कर मूल्यांकन किया जाएगा। 20 मीटर दूरी की गणना कॉम्प्लेक्स के मुख्य मार्ग की ओर से निर्मित भाग से की जाएगी। जिला मूल्यांकन समिति द्वारा गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण के प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जाते हैं जिनका विश्लेषण कर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड नवीन गाइडलाइन दरें जारी करता है। जिला मूल्यांकन समिति को यह निर्देशित करने का निर्णय लिया गया कि हाल ही में हुई दरों में वृद्धि के पश्चात प्राप्त ज्ञापनों, आपत्तियों एवं सुझावों का परिशीलन कर 31 दिसंबर तक गाइडलाइन दरों में पुनः पुनरीक्षण प्रस्ताव भेजें।

अतिरिक्त जोड़ने की व्यवस्था समाप्त

ट्यूबवेल, बोरवेल पर 85,000 रुपए और कुएं पर 70,000 रुपए अतिरिक्त जोड़ने की व्यवस्था समाप्त। वाणिज्यिक फसलें जैसे केला, पपीता, गन्ना जैसी फसलों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त मूल्य जोड़ने का प्रावधान हटाया गया। भूमि पर वृक्षों का मूल्य भूमि मूल्य में जोड़कर गणना करने की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त किया गया। अब भूमि के दाम पेड़ों की संख्या से प्रभावित नहीं होंगे। जिससे पेड़ काटकर मूल्यांकन कम कराने की प्रवृत्ति समाप्त हुआ और पर्यावरण संरक्षण को सीधा प्रोत्साहन मिला।

बिल्टअप एरिया पर मूल्यांकन

बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान, कार्यालय अंतरण होने पर सुपर बिल्ट अप एरिया के आधार पर बाजार मूल्य की गणना के प्रावधान को विलोपित किए जाने का निर्णय लिया गया। अब इनमें बिल्ट अप एरिया के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट एवं प्रथम तल पर 10 प्रतिशत कमी, द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत कमी के साथ मूल्यांकन किया जाएगा।

भूमि का मूल्यांकन हेक्टेयर दर से होगा

शहर से लगे हुए गांवों में पहले 25-37.5 डिसमिल तक कृषि भूमि का मूल्यांकन वर्गमीटर दर से होता था, अब हेक्टेयर दर से ही मूल्यांकन होगा। लाभः ग्राम बरौदा (रायपुर) में पूर्व प्रावधान अनुसार 37.5 डिसमिल कृषि भूमि विक्रय होने पर उसका मूल्य 26.75 लाख रुपये होता जो नए प्रावधान से इसका मूल्य सिर्फ 6.30 लाख रुपये होगा। भूमि पर तालाब, मछली टैंक होने की स्थिति में भूमि दर का 1.5 गुना लेकर मूल्यांकन करने के नियम को हटाया गया। बाउंड्री वॉल पर 400 रुपए रनिंग फीट और प्लिंथ लेवल पर 300 रुपए प्रति वर्गफीट जोड़ने का प्रावधान भी पूरी तरह से समाप्त किया गया।

परिवर्तित भूमि के लिए यह व्यवस्था समाप्त

पहले ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तित भूमि के लिए सिंचित भूमि का ढाई गुना मूल्य लगता था, यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। बिलासपुर के सेंदरी ग्राम में रु 1.60 करोड़ रुपए प्रति एकड़ दर निर्धारित है, इस ग्राम में एक एकड़ भूमि विक्रय होने पर पहले मूल्य रुपए 4 करोड़ रुपये होता अब नए प्रावधान अनुसार रुपए 1.60 करोड़ ही होगा। दो फसली भूमि पर बाजार मूल्य पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़ने का प्रावधान हटाया गया। मोतीपुर में 1 हेक्टेयर जमीन की दर 2 करोड़ 44 लाख रुपये है, जो दो फसली होने पर वास्तविक गाडलाइन मूल्य 3 करोड़ 5 लाख होता। नए प्रावधान अनुसार बाजार मूल्य 2 करोड़ 44 लाख रुपए ही होगा।

नहीं रहे सुभाष धुप्पड़

रायपुर। पूर्व आरडीए अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष धुप्पड़ का मुंबई में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 दिसंबर को रायपुर में किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर शोक जताते हुए श्रद्धांजलि दी है।

पं. धीरेंद्र शास्त्री की पांच दिवसीय हनुमंत कथा भिलाई में 25 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

इस्पात नगरी में पहली बार सनातन धर्म के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन की साक्षी बनने जा रही है। 25 से 29 दिसंबर तक जयंती स्टेडियम के समीप ग्राउंड में दिव्य श्री हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे।

आयोजन के संदर्भ में यह जानकारी हनुमंत कथा के आयोजक एवं छत्तीसगढ़ खादी ग्राम उद्योग आयोग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि 25 को कथा से पहले धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत सिविक सेंटर चौक से कथा स्थल तक शोभायात्रा निकाल कर किया जाएगा। जिसमें महिला,पुरुष सहित सभी आयु वर्ग के लोग शामिल होंगे। प्रेस वार्ता में राकेश पांडेय ने बताया कि कथा के अंतर्गत 27 दिसंबर को विशेष दिव्य दरबार का आयोजन होगा। दिव्य दरबार में पंडित शास्त्री श्रद्धालुओं की पर्ची निकालकर समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। सेवा समर्पण समिति, दुर्ग द्वारा आयोजित इस कथा के लिए तैयारियां शुरु हो चुकी है। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला के साथ अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी आयोजन के सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को लेकर कार्यरत हैं। इस आयोजन के लिए दुर्ग–भिलाई ही नहीं, बल्कि देश एवं पूरे छत्तीसगढ़ से हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में जुटेंगे प्रदेशभर से श्रद्धालु, आयोजन समिति व्यवस्थाओं में जुटी

सभी समाज ने बढ़ाया कदम

राकेश पांडेय ने कहा कि भिलाई में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आगमन पहली बार हो रहा है। जिसके लिए प्रमुख रूप से साहू समाज, यादव समाज, सिख समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, चंद्राकार समाज, देवांगन समाज, पूज्य सिंधी पंचायत चैंबर ऑफ़ कॉमर्स विभिन्न व्यापारिक संगठन सहित विभिन्न सामाजिक एवं समाजसेवी संस्थाएं सक्रियता के साथ सहयोग कर रहीं हैं।

ये रहे उपस्थित

प्रेस वार्ता में सेवा समर्पण समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला, पद्मश्री उषा बारले, लोधी समाज से सुरेंद्र कौशिक, देवांगन समाज से पुरुषोत्तम देवांगन, कुर्मी समाज से चंद्रिका चंद्राकर, साहू समाज से खिलावन साहू, राजपूत समाज से सत्येंद्र सिंह, ताम्रकार समाज से नटवर ताम्रकार उपस्थित थे।

दिव्यांगों और बुजुर्गो के लिए ई रिक्शा की होगी व्यवस्था

राकेश पाण्डेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सेवा समर्पण समिति द्वारा विशाल एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिए प्रवेश द्वार कर बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए रोड से कथा स्थल तक पहुंचने ई रिक्शा, अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की क्षमता वाला भव्य डोमशेड, आवागमन बाधित न हो इसके लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। साथ ही पूरे आयोजन में हजारों की संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, पेयजल और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था, सुरक्षा के इंतजाम भी किये जाएंगे।

सचिवालय में पदस्थ अफसरों के बदले प्रभार, संयुक्त और उप सचिव शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सचिवालय के अफसरों के प्रभार में बड़ा फेरबदल हुआ है। राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का एक साथ तबादला किया है। सामान्य प्रशासन विभाग से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में कुल 38 अधिकारियों का नाम शामिल है। साथ ही कुछ अवर सचिव के भी तबादले किए गए हैं।

■ मंत्रालय में पदस्थ अफसर हुए प्रभावित

जिन अधिकारियों की नवीन पदस्थापनाएं की गई हैं, उनमें राजीव अहिरे, संयुक्त सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग को अतिरिक्त प्रभार योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग को कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सूर्यकिरण तिवारी, उप सचिव को पशुधन विकास एवं मछली पालन विभाग, दुर्गेश कुमार वर्मा, उप सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, लवीना पाण्डेय उप सचिव आदिम जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग को चिकित्सा शिक्षा विभाग, कुसुम एक्का उप सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग को गृह विभाग, विजया खेस्स उप सचिव विमानन विभाग को ग्रामोद्योग विभाग में पदस्थ किया गया है।

अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किए गए अधिकारी

तबादला सूची में कई अधिकारियों को उनके मौजूदा अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है, जबकि उनका मूल प्रभार यथावत रहेगा। अरुण कुमार मरकाम, उप सचिव को ग्रामोद्योग विभाग, रामप्रसाद चौहान उप सचिव को समाज कल्याण विभाग, श्रीकांत वर्मा, उप सचिव को गृह विभाग, अंकिता गर्ग, उप सचिव को श्रम विभाग, विभोर अग्रवाल, उप सचिव को उच्च शिक्षा विभाग और अन्वेष धृतलहरे, उप सचिव को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।

पुलिस की मदद से वापस मिला 5 लाख का ब्रेसलेट

रायपुर। गंज पुलिस ने एक महिला को रत्न जड़ित पांच लाख रुपए का सोने का गुम ब्रेसलेट ढूंढ़कर वापस लौटाने में मदद की। प्रीति लुणावत ने महिला डेस्क में शिकायत दर्ज कराई थी कि विगत 3 दिसंबर को स्टेशन के पास उसकी ननद रश्मि जैन का रेलवे स्टेशन के पास ब्रेसलेट खो गया है। पुलिस ने सीसीटीवी तथा ऑटो चालकों से पूछताछ के बाद एक ऑटो चालक के कब्जे से ब्रेसलेट बरामद कर महिला को वापस लौटाया। ऑटो वाले ने पुलिस को बताया कि रेलवे स्टेशन के बाहर लावारिस हालत में ब्रेसलेट मिलने पर उसने अपने पास रख लिया था।

प्रशासन के हस्तेक्षप के बाद निजी जमीन में किया दफन

इसाई बने बुजुर्ग के अंतिम संस्कार पर तनाव की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

ग्राम परसदा मे धर्मांतरित व्यक्ति के शव को दफनाने के मामले मे ग्रामीण व ईसाई मिशनरी आमने सामने आ गए। प्रशासन के पहुंचने के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। जिला मे धर्मांतरित परिवारों के परिजनों की मृत्यु पर उसे दफनाने के दौरान लगातार विवाद की स्थिति निर्मित होने लगी है। विवाद के बाद परिजन ने मृतक को निजी भूमि मे दफन किया।

गुण्डरदेही थाने के परसदा निवासी लच्छन साहू (85) ने कुछ साल पहले हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया था। मौत के बाद मसीही समाज के लोगों ने उनकी इच्छा के अनुसार, गांव के मुक्तिधाम की जगह पर दफनाने की तैयारी करते हुए गड्ढा खोदा। ग्रामीणों द्वारा उसके शव को गांव में दफन करने का विरोध किया गया। जिसके बाद वहां मौजूद हिन्दू संगठन के लोग व ईसाई सामुदाय के लोग आमने सामने आ गए। जिसकी जानकारी लगते की पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर दोनों ही पक्षों को समझाने की कोशिश की। लेकिन ग्रामीणों व हिन्दू संगठन द्वारा मृत व्यक्ति के शरीर को ग्राम के किसी भी जगह दफन करने का लगातार विरोध किया गया। ग्रामीणों व हिन्दू संगठन के विरोध के बीच ईसाई समुदाय के लोग लगातार गांव में ही मृत व्यक्ति के शरीर को दफन करने का प्रयास करते रहे। सूचना पर गुंडरदेही टीआई नवीन बोरकर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अंत मे ग्रामीणों व हिन्दू संगठन के लगातार विरोध के बाद प्रशासन द्वारा ईसाई समुदाय के लोगों को मृत व्यक्ति के शरीर को उसके निजी भूमि में दफनाने की बात कही। जिसके बाद मृत व्यक्ति के शरीर को उनकी निजी भूमि मे दफन किया गया।

पहले भी अन्य ग्रामों में ऐसी स्थिति हो चुकी है निर्मित

इसके पूर्व भी गुरुर के ग्राम सनौद, गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम जेंवरतला, बालोद ब्लाक के ग्राम हीरापुर व अन्य ग्रामों मे भी ऐसी ही स्थिति निर्मित हो चुकी है।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल

www.cghb.gov.in सबके लिए आवास

आवासीय एवं व्यवसायिक भवन प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

बुकिंग की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 | www.cghb.gov.in → ONLINE BOOKING → BOOK PROPERTY ONLINE

इम्पीरियल हाईट्स, कबीर नगर, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
1.	ई. डब्ल्यू. एस. (फ्लैट) (1 बी. एच. के.)	498.00	363.04	14.23	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9406300201, 9829745949, 9424209026

नरदहा, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
2	एच. आई. जी. - I (स्वतंत्र भवन) (3 बी. एच. के.)	2517.84	1654.35	1129.80	74.12	7.41
3	एच. आई. जी. - II (स्वतंत्र भवन) (3 बी. एच. के.)	2041.71	1076.25	1014.99	60.20	6.02

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

सेक्टर-01, शंकर नगर, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत ऑफिस हॉल एवं कार्यालय भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	दुकानों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
4.	ऑफिस हॉल नं. 116 प्रथम तल	363.15	60.00	6.00
5.	स्टुडियो अपार्टमेंट (1 बी.एच.के.)नं. 204,217 द्वितीय तल	382.52	43.15	4.32
6.	ऑफिस हॉल नं. 212 द्वितीय तल	576.74	64.78	6.48
7.	कैफेटेरिया नं. 420 चतुर्थ तल	424.70	38.82	3.88
8.	कैफेटेरिया नं. 320 तृतीय तल	424.70	44.48	4.45

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

पिरदा, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
9.	एम. आई. जी. फ्लैट (एस+3) (2 बी. एच. के.)	792.47	-	558.87	25.42	2.54

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

खम्हारडीह, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
10.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	542.41	-	450.20	21.53	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

शंकर नगर सरहद फेस-II, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
11.	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	1139.05	942.25	831.21	75.90	7.59
12.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	737.49	556.83	491.84	44.25	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

तालपुरी ब्लॉक-बी, दुर्ग में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
13.	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-ए जी+3(2 बी.एच.के.)	1065.35	991.64	748.47	31.57 से 31.97	3.16 से 3.20
14.	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-बी जी+3(2 बी.एच.के.)	1004.45	930.74	814.64	29.63 से 30.03	2.96 से 3.00
15.	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-सी जी+3(2 बी.एच.के.)	943.11	869.41	796.78	27.68 से 28.08	2.77 से 2.81
16.	जुनि.एम.आई.जी. फ्लैट पी+6(2 बी.एच.के.)	887.70	785.48	663.35	26.22 से 27.27	2.62 से 2.73
17.	दुकान	-	167.21 से 192.07	150.64 से 170.01	11.76 से 13.48	1.18 से 1.35
18.	क्नवेनिएंट शॉप	-	109.54 से 146.44	92.75 से 127.61	7.58 से 10.06	0.76 से 1.01
19.	हॉल	-	296.33 से 434.27	268.46 से 387.36	20.15 से 29.43	2.02 से 2.94

सम्पर्क सूत्र - 9755405252, 9827927780, 8770579721, 8827267365, 9424284256

वैशाली नगर, भिलाई में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भू-खण्ड का क्षेत्रफल(वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
20.	ई. डब्ल्यू. एस. (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	1054.48	338.94	289.55	16.98 से 18.48	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9755405252, 9827927780, 8770579721, 9827999119, 9424284256

कौरिनभाठा, राजनांदगांव में प्रस्तावित दीनदयाल आवास योजना (ग्रुप-09 एवं 10) अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
21.	एल. आई. जी. फ्लैट (जी+3) (2 बी. एच. के.)	661.20	598.90	472.58	11.20 से 11.80	0.50

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

मनकी (द्वितीय चरण), जिला-राजनांदगांव में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
22.	एल. आई. जी. (स्वतंत्र) (1 बी. एच. के.)	899.75	430.00	311.51	8.82	0.50

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

देवरीखुर्द फेस-III, बिलासपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
23.	एच. आई. जी. (स्वतंत्र 3 बी. एच. के.)	2324.16	1324.23	1142.38	70.92	7.09
24.	एम. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	1355.76	868.97	630.53	37.50	3.75
25.	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	989.92	444.49	389.40	21.28	0.50
26.	ई. डब्ल्यू. एस (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	532.62	372.83	290.84	11.21	0.25

सम्पर्क सूत्र - 7587231214, 8103002219, 9993361859, 7000508808, 8103618401, 8269571504

168 खरमोरा, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
27.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	477.00	390.00	7.49	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

192, खरमोरा, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
28.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	477.00	390.00	12.71	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

84, ई. डब्ल्यू.एस. खरमोरा, कोरबा में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
29.	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	374.00	374.00	275.00	5.50 से 6.50	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

नियम एवं शर्तें : 1. धरोहर राशि ऑनलाईन पेमेंट गेटवे के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यू.पी.आई., आर.टी.जी.एस. एन.ई.एफ.टी. द्वारा जमा किया जा सकता है। 2. स. क्र. 1 से 12, 20, 22 तथा 27 से 29 के भवनों/दुकानों/हॉल का आबंटन जहाँ है जैसा है स्थिति में ऑफर ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 3. स. क्र. 13 से 19, 21 तथा 23 से 26 तक के भवनों/दुकानों का आबंटन स्ववित्तीय ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 4. ऑफसेट मूल्य से अधिक ऑफर प्रत्येक 15 दिवस में प्राप्त किया जाएगा जिन हितग्राहियों द्वारा भुगतान हेतु चालान के माध्यम से आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी. का विकल्प चयन किया जाएगा, उन्हे एक अतिरिक्त बैंकिंग कार्य दिवस भुगतान हेतु प्रदान किया जाएगा। तदुपरांत आगामी कार्य दिवस में ऑफर खोला जाएगा। अवकाश होने की स्थिति में ऑफर अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। 5. ऑनलाईन ऑफर आवेदन केवल मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है। 6. अन्य नियम एवं शर्तें आवेदन पत्र में उल्लेख अनुसार मान्य होगा। 7. अधिक जानकारी हेतु संबंधित संपदा अधिकारी/कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र से सम्पर्क करें या विजिट करें मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in

नोट - स. क्र 10, 22, 27 एवं 28 के भवनों को निर्धारित आय संबंधित पात्रता से अधिक होने पर अनुदान राशि की पात्रता नही होगी।

अधिक जानकारी के लिये स्कैन करें

TOLL FREE NO. 1800-121-6313 सबके घर की आस सबके लिए आवास, गृह निर्माण मण्डल पर सबका विश्वास

31 दिसम्बर 2025 तक भवनों की बुकिंग करने पर लकी ड्रॉ के माध्यम से उपहार पाने का सुनहरा अवसर

TOLL FREE NO. 1800-121-6313

सबके घर की आस सबके लिए आवास, गृह निर्माण मण्डल पर सबका विश्वास

बिलासपुर

मंगलवार 9 दिसंबर 2025

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी
वर्ष : 25, अंक : 256
पृष्ठ : 10+6+8 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 28.8
न्यून. 10.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अप्रशिक्षित हाथों में थमा दी थी मेमू की कमान, 12 यात्रियों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

लालखदान में रेल हादसे की जांच करने वाले सीआरएस ने पूरी गलती रेल प्रशासन की बताई है, जिसके कारण इतना बड़ा हादसा हुआ है। सीआरएस की प्रारंभिक रिपोर्ट में अप्रशिक्षित चालक के हाथों में मेमू की कमान के कारण 12 यात्रियों की मौत का भी उल्लेख किया गया है। इसकी वजह से संबंधित विभाग के अधिकारियों पर भी कभी भी कार्रवाई की गाज गिर सकती है। एक माह पहले चार नवंबर को कोरबा-बिलासपुर लोकल मेमू अप लाइन पर खड़ी कोयला लोड मालगाड़ी से टकरा गई थी। इसके कारण 12 यात्रियों की मौत हो गई थी और 20 से अधिक यात्री घायल हो गए थे। इस हादसे के कारण रेलवे को भी करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था। मामले की जांच करने के लिए नागरिक उड्डुयन मंत्रालय के अधीन दक्षिण पूर्व सर्किल कोलकाता के रेल सुरक्षा आयुक्त ▶▶ शेष पेज 6 पर

- सीआरएस से रेल प्रशासन को मिली प्रारंभिक रिपोर्ट

खड़ी मालगाड़ी पर चढ़ गई लोकल ट्रेन, 8 की मौत, 20 घायल, यात्रियों को बचाने के लिए कटर से काटी बोगी

रेल प्रशासन की गलती से हुआ लालखदान में हादसा

जांच में दिए गए सुझाव

रेल सेफ्टी आयुक्त ने रेल प्रशासन के अलावा चालक को जिम्मेदार ठहराया है। आगामी दिनों में इस तरह की कोई घटना न हो सके, इसके लिए विशेष सुझाव भी रेल प्रशासन के अफसरों को दिया है, जिसमें ट्रेन परिचालन सुगम बनाने तथा अन्य उपकरणों द्वारा दर्ज किए गए इवेंट्स से मिलान करने के लिए सभी मानिटरिंग और रिकार्डिंग उपकरणों की घड़ियों को जीपीएस समय से स्वतः समन्वित होना चाहिए। इसमें ओएचई के लिए एससीएडीए सिस्टम, टीसीएमएस और बीबीआर यानि ब्लैक बॉक्स रिकार्डर मेमू ट्रेन में और लोकोमोटिव व मोटर कोच में ड्राइविंग मोटरों में स्पीडोमीटर शामिल हैं।

संचार प्रणाली बेहतर करने की जरूरत

- रेलवे को जांच करनी चाहिए कि क्या आरडीएसओ निर्देश के अनुसार सीसीटीवी सिस्टम का पालन रैक में किया गया था, जैसा कि ट्रेन संख्या 68733 में हैं। ऐसे सीसीटीवी सिस्टम को विश्वसनीय बनाने के लिए सुधार की आवश्यकता है।
- रेलवे को सलाह दी गई है कि वीडियो सर्विलांस सिस्टम प्रदान की जाए। मेमू में उन्नत सहायक चेतावनी प्रणाली का परीक्षण पूरा हो चुका है। यह प्रणाली एसईसीआर में लगाई जानी चाहिए ताकि लोको पायलट द्वारा सिग्नल मिस की घटना को कम किया जा सके।
- डीजल पावर कंट्रोल को सूचित न किए जाने के कारण हूटर बजने में सात मिनट की अनावश्यक देरी हुई। संचार प्रणाली की समीक्षा कर सुधार किया जाना चाहिए।
- सहायक लोको पायलट के लिए आवश्यक रक्त परीक्षण लिपिड प्रोफाइल, शुगर आदि में संशोधन के कारण कुछ कमियां आई हैं। रेलवे को इन निर्देशों की समीक्षा कर पुरानी व्यवस्था बहाल करना चाहिए।
- जीआर 3, 07 व 3.08 में डबल यलो का अर्थ है कि आगे प्रतिबंधित गति पर जाने और अगले सिग्नल पर रूकने की तैयारी, लेकिन एसईसीआर में इसके लिए विशेष निर्देश लागू नहीं है। एसपीएडी जांच समिति की सिफारिश पर रेलवे को इसे लागू करना चाहिए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तीन उड़ानों में बम होने की मिली धमकी

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न शहरों से आने वाली तीन उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। हवाई अड्डे को रविवार देर रात को हीथ्रो से ब्रिटिश एयरवेज (बीए 277), फ्रैंकफर्ट से लुफ्थांसा (एलएच 752) और कन्नूर से इंडिगो के 6ई 7178 के संबंध में ईमेल प्राप्त हुए।

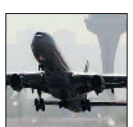

नाले में गिरी बाइक, तीन चचेरे भाइयों की मौत

मथुरा। मथुरा जिले में मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिश्तेदार के सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे तीन चचेरे भाइयों की नाले में गिरकर डूबने से मौत हो गई। यह हादसा रविवार देर रात राधाकुंड में गोवर्धन नाले के पास हुआ, जब तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई और तीनों युवक डूब गए जिनकी उम्र 20 साल के आसपास थी।

भोजपुरी अभिनेता पवन को धमकी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य होने का दावा करने वाले अज्ञात लोगों से कथित तौर पर धमकी मिली है। इन लोगों ने उन्हें अभिनेता सलमान खान के साथ मंच साझा करने के खिलाफ चेतावनी दी, जिसके बाद इस संबंध में मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

यात्री से 10.5 करोड़ के मादक पदार्थ बरामद

नई दिल्ली। आईजीआई हवाई अड्डे पर 10.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को रविवार को बैंकॉक से आते समय रोका गया। सीमा शुल्क विभाग की दिल्ली इकाई द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यात्री के ट्रॉली बैग की जांच में पॉलीथीन के 13 पाउच मिले, जिनमें हरे रंग का एक मादक पदार्थ था और इसके मारिजुआना होने का संदेह है।

ढाई करोड़ की स्मैक बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। यूपी के शामली जिले के झिंझाना थानाक्षेत्र में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए करीब ढाई करोड़ की 1.263 किलोग्राम स्मैक बरामद की। एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर झिंझाना थानाक्षेत्र में अगड़ीपुर रोड के पास छापेमारी की गई। एक पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को रोका और उसके कब्जे से 2.52 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की स्मैक जब्त की।

संसद में वंदे मातरम् पर बहस : पीएम ने कांग्रेस पर लगाया 'विश्वासघात' का आरोप

मोदी बोले-नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा तो शुरू कर दी वंदे मातरम् की पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर विशेष चर्चा के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू जी का सिंहासन डोला, तो उन्होंने वंदे मातरम के टुकड़े कर दिया। जिन्ना ने वंदे मातरम् का विरोध किया, तो उन्होंने इस पर सहमति जताई। तुष्टिकरण के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम के बंटवारे के लिए झुकी इसलिए कांग्रेस को भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में सवाल किया कि जब बापू को 'वंदे मातरम' नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?' उन्होंने कहा, वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज़ होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम के ख़िलाफ़ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा, बजाय इसके कि मुस्लिम लीग के आधारहीन दावों को वो करारा जवाब देते, इसके उलट उन्होंने वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए ये बातें कही। उन्होंने 'वंदे मातरम' गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा को गौरव का पल बताया।

उन्होंने कहा कि हमने इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक सामूहिक चर्चा का रास्ता चुना है। ▶▶ शेष पेज 6 पर

खास खबर

आपातकाल का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वंदे मातरम के 100 वर्ष हुए, तब देशभक्ति के लिए जीने-मरने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा, जिस वंदे मातरम गीत ने देश को आजादी की ऊर्जा दी थी, उसके 100 वर्ष पूरे होने पर हमारे इतिहास का एक काला कालखंड दुर्भाग्य से उजागर हो गया। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा, हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का।

खास बातें

- लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना
- प्रधानमंत्री ने किया सवाल, जब बापू को 'वंदे मातरम' नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?'

वंदे मातरम् ने आजादी के आंदोलन को ऊर्जा दी

मोदी ने कहा, जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा, वंदे मातरम की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था।

'बंकिम दा' पर जताई आपत्ति तो मोदी ने 'बंकिम बाबू' कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान इसके रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को 'बंकिम दा' कहा तो तृणमूल कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई, जिसके बाद मोदी ने राष्ट्रगीत के लेखक के नाम के साथ 'बाबू' शब्द जोड़ा। जब प्रधानमंत्री रचना के समय का उल्लेख कर रहे थे तो उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी को 'बंकिम दा' कहकर पुकारा।

प्रियंका ने लगाया आरोप

बंगाल चुनाव के कारण वंदे मातरम् पर चर्चा कराई

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा सरकार पर 'वंदे मातरम्' को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है।

राजनीतिक छल के बारे में सभी को जानना चाहिए

लोकसभा के सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'वंदे मातरम' के साथ उतना न्याय नहीं हुआ, जितना होना चाहिए था। जन-गण-मन राष्ट्रीय भावना में पूरी तरह समा गया, किंतु 'वंदे मातरम' को जान-बूझकर दबाया गया।

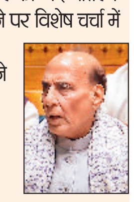

सूर्य घर योजना के लिए अर्जी नहीं दी

10 हजार बिजली अधिकारी-कर्मचारियों को बिल में मिल रही 50 फीसदी छूट खत्म

500 यूनिट की खपत पर 1305 रुपए और 1000 यूनिट पर 3295 रुपए लगेंगे ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर एक तरफ जहां आम उपभोक्ता लगातार आवेदन कर अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों में इसको लेकर कोई रुचि नहीं है। 25 नवंबर तक सभी को आवेदन करने का फरमान जारी किया गया था, लेकिन तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए हैं। ऐसे में आवेदन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट को बंद कर दिया गया है। अब जितनी यूनिट की खपत होगी, उतने टैरिफ ▶▶ शेष पेज 6 पर

अब पूरा बिल ले रहे

पॉवर कंपनी के जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पीएम सूर्य घर योजना में आवेदन नहीं किया है, उनकी छूट समाप्त कर दी गई है और दिसंबर का जो बिल आ रहा है, वह पूरा ले रहे हैं।

- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

मात्र 1662 आवेदन

प्रदेश सरकार ने जब अगस्त से बिजली बिल हॉफ योजना का दायरा कम करके इसमें मिलने वाली छूट को घटाया और पूरा फोकस पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली की तरफ लगाया तो छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपने घरों में हर हाल में तीन माह में सोलर पैनल लगाने का फरमान जारी किया गया। इस फरमान का असर ज्यादा नजर नहीं आया। इसके बाद 25 नवंबर तक हर हाल में आवेदन करने का नया फरमान जारी किया गया। इसी के साथ साफ चेताया गया कि आवेदन न करने वालों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट बंद कर दी जाएगी। तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए हैं।

इंडिगो संकट : सातवें दिन 1,650 उड़ानों का संचालन

छह हवाई अड्डों से 650 उड़ानें रद्द मंत्री बोले- लेंगे सख्त एक्शन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली घरेलू विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों पर 650 उड़ानें रद्द कर दीं। पिछले मंगलवार से नियामक बदलावों के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द होने के बाद लाखों यात्री प्रभावित हुए। एयरलाइन परिचालन सामान्य करने के लिए संघर्ष कर रही है।

इधर, राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि 'इंडिगो' ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों से अपनी 2,300 दैनिक उड़ानों में से 560 उड़ानें पहले ही रद्द कर दीं। एयरलाइन लगभग 90 घरेलू हवाई अड्डों और 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए उड़ानों का संचालन करती है।

यात्रियों को लौटाए गए 4,500 बैग

इधर, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन ने यात्रियों के कुल 9,000 बैग में 4,500 बैग उन्हें वापस कर दिए हैं। बाकी बैग भी अगले 36 घंटों में यात्रियों को सौंप दिए जाएंगे। सोमवार को इंडिगो 138 में 137 गंतव्यों के लिए 1,802 उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। उसकी 500 उड़ानें रद्द हुई हैं। साथ ही 9,000 बैग में 4,500 बैग ग्राहकों को सौंप दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इंकार

उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं।

संसद में उठा मामला

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं।

इधर, एयर इंडिया लौटाएगी अधिक किराया राशि

एयर इंडिया ने कहा, यात्रियों से ज्यादा वसूला गया किराया लौटाएगी। एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इकॉनमी क्लास के बेस किराए की लिमिट तय करने के संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के 6 दिसंबर की शाम को जारी निर्देश का पालन करते हुए एयर इंडिया ग्रुप ने अपने रिजर्वेशन सिस्टम में नए तय किराए को तुरंत लागू करना शुरू कर दिया है। इसमें आगे कहा गया, 'एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने सभी सिस्टम में इसे लागू कर दिया है, जबकि एयर इंडिया धीरे-धीरे किराए की लिमिट लागू कर रहा है, जो अगले कुछ घंटों में पूरी तरह से लागू हो जाएगी। क्योंकि इस प्रोसेस में थर्ड-पार्टी सिस्टम पर निर्भरता शामिल है, इसलिए गेस्ट बुकिंग में रुकावट डाले बिना सटीकता सुनिश्चित करने के लिए इसे धीरे-धीरे लागू करना जरूरी है।'

ईडी की गिरफ्तारी को दी गई है चुनौती

चैतन्य बघेल की याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय और चैतन्य बघेल की ओर से कई दिनों तक चली दलीलों के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में हाईकोर्ट कभी भी आदेश जारी कर सकता है। ▶▶ शेष पेज 6 पर

अपराध सिर्फ यही कि पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे

याचिका में चैतन्य बघेल की ओर से कहा गया है कि पप्पू बंसल के बयान को आधार मानते हुए चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी की गई है, जो सही नहीं है। पप्पू बंसल के खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट है और वह बाहर घूम रहे हैं। किसके दबाव में उन्होंने इस तरह का बयान दिया है यह आप समझ सकते हैं। यह भी कहा गया कि 2022 से शराब ▶▶ शेष पेज 6 पर

1500 करोड़ की ठगी नेटवर्क में फंसे अभिनेता सोनू और खली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कानपुर

कानपुर के 1,500 करोड़ रुपए के बड़े धोखाधड़ी मामले में मास्टरमाइंड रवींद्रनाथ सोनी के फर्जी नेटवर्क का प्रचार करने के आरोप में अभिनेता सोनू सूद और पहलवान द ग्रेट खली का नाम सामने आया है। कानपुर पुलिस ने दोनों सेलिब्रिटीज को पूछताछ के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार, 700 से अधिक ▶▶ शेष पेज 6 पर

- फर्जी नेटवर्क के प्रचार का आरोप

मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

इस बड़े घोटाले के बढ़ते दायरे को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया। एडीशनल डीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा एसआईटी का नेतृत्व करेंगी और इसमें छह सदस्य होंगे।

दुबई से चालाकी से भागा था सोनी

जांच में पता चला है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सोनी दुबई के बुर्ज खलीफा के पास एक आलीशान ऑफिस चलाता था और भव्य आयोजन करता था। पीड़ितों की शिकायत के बाद जब दुबई के अधिकारियों ने कहा कि सोनी देश छोड़कर नहीं जा सकता, तो वे हैरान रह गए।

मस्क की कंपनी स्टारलिंक की नई सेवा, हर महीने देने होंगे 8600 रुपए

इंतजार खत्म, देश में अब सैटेलाइट इंटरनेट!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी रेजिडेंशियल सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की आधिकारिक कीमतें घोषित कर दी हैं। कंपनी की भारतीय वेबसाइट पर अपडेट के अनुसार, मासिक शुल्क 8,600 रुपए होगा, जबकि हार्डवेयर किट (डिश + राउटर) के लिए एकमुश्त 34,000 रुपए देने होंगे। खरीदने के बाद आप इसे खुद से भी सेटअप कर सकते हैं। कंपनी के मुताबिक सेटअप करने के बाद आपका इंटरनेट काम करना शुरू कर देगा। हालांकि कंपनी 30 दिन का ट्रायल भी दे रही है। स्टारलिंक का दावा है कि ये सर्विस 99.9% अपटाइम के साथ आती है और इंटरनेट डिसरप्शन का सवाल ही नहीं है। इतना ही नही कंपनी ने स्टेबिलिटी का भी बड़ा दावा किया है।

क्या है खास

- असीमित हाई-स्पीड डेटा
- 30 दिन का फ्री ट्रायल
- 99.9% अपटाइम गारंटी
- बारिश-तूफान में भी स्थिर कनेक्टिविटी

दूरदराज इलाकों के लिए फायदेमंद

1 दिसंबर को जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के पॉडकास्ट में एलन मस्क ने कहा था, भारत में स्टारलिंक उन लाखों लोगों तक इंटरनेट पहुंचाएगा, जहां आज भी फाइबर या मोबाइल नेटवर्क नहीं है। दूरदराज के गांवों, पहाड़ी इलाकों और समुद्री क्षेत्रों के लिए यह सेवा गेम-चेंजर मानी जा रही है, भले ही शुरुआती कीमत प्रीमियम हो।

इन शहरों में बन रहे अर्थ स्टेशन

चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और नोएडा में गेटवे अर्थ स्टेशन बन रहे हैं। बेंगलुरु ऑफिस के लिए भुगतान, लेखा और टैक्स विशेषज्ञों की भर्ती शुरू हो गई है। इस साल की शुरुआत में डॉट से 5 साल का कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लाइसेंस मिल चुका है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले हफ्तों में कंपनी वाणिज्यिक लॉन्च की तारीख और शहर-विशिष्ट प्लान की पूरी जानकारी देगी।

चिंतन

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्‌घोष बन गया था वंदे मातरम्

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्‌घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्‌घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, न कि विभाजन का।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है। यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है। भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शीत सत्र

अजीत लाड़

सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

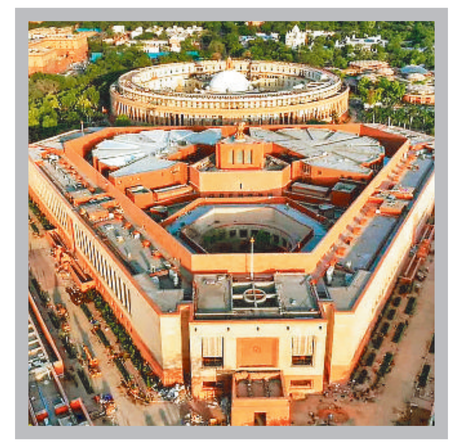

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित
दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

अंतर्मन

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो। *– पवन सोनी, धमतरी*

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में 'भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ – और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है।
-हेमा मालिनी, सांसद

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है।
-शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

इंडिगो के पूर्व कर्मचारी का लेटर वायरल खोली पोल

परेशानी बताने वाले पायलटों को धमकाया गया, अपमानित किया

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

इंडिगो का संकट खत्म नहीं हो पा रहा है। देशभर के हवाई अड्डों पर इंडिगो फ्लाइट्स पूरी तकह से सामान्य नहीं हो पाई हैं और इनमें देर, रिशेड्यूलिंग और कैंसिलेशन की समस्या जारी है। सोमवार को भी इंडिगो एयरलाइन ने बड़ी संख्या में उड़ानों को रद्द किया, और अपने यात्रियों को अलर्ट करते हुए इंडिगो की ओर से कहा गया कि उड़ानों में अभी भी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है। अब सवाल ये कि क्या एयरलाइन में ये संकट अचानक आया है, तो इसका जवाब कथित तौर पर इसके एक पूर्व कर्मचारी की चिट्ठी देती है, जो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें कारण बताते हुए लिखा गया है कि ये सब रातोरात नहीं हुआ है।

कुछ और है असल कहानी

इंडिगो एयरलाइंस में संकट के बीच कंपनी की ओर से बीते कुछ दिनों में प्रभावित हुए यात्रियों को रिफंड जारी करने की प्रक्रिया जारी है और अधिकारियों के अनुसार करीब 610 करोड़ रुपये रिफंड किए जा चुके हैं। एयरलाइन इस संकट के लिए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस (एफडीटीएल) रूल्स को कारण बता रही है। लेकिन सोशल मीडिया पर इंडिगो के एक पूर्व कर्मचारी द्वारा शेयर किया गया लेटर कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है और एयरलाइन में व्याप्त समस्याओं की पूरी पोल खोल रहा है।

हालिया संकट की वजह कंपनी बताती रही है एफडीटीएल रूल्स को

ग्राउंड स्टॉफ से तीन लोगों का काम

इंडिगो एयरलाइन के पूर्व कर्मचारी ने अपने ओपन लेटर में बड़ा आरोप लगाते हुए लिखा, 'पायलटों, इंजीनियरों और ग्राउंड स्टाफ समेत अन्य कर्मचारियों को कथित तौर पर बढ़ते नेतृत्व को सही ठहराने के लिए दबाया गया। असुरक्षित ड्यूटी टाइमिंग, थकान और ऑपरेशनल दबावों के बारे में चिंता जताने वाले पायलटों पर गुस्सा दिखाया गया, धमकाया गया या अपमानित किया गया।' पत्र में लिखा गया कि इन सबकी कोई जवाबदेही नहीं, सिर्फ डर रहा है। उन्होंने बताया कि हालात यहां तक बन गए कि 16,000 या 18,000 रुपये प्रति माह कमाने वाले ग्राउंड स्टाफ पर सबसे ज्यादा दबाव था, उन्हें विमानों के बीच तेजी से दौड़ना पड़ता था, कई कार्यों को एक साथ करना पड़ता था या कहें कि तीन लोगों के बराबर काम करना होता था।

2006 के दिनों को भी किया याद

खुद को इंडिगो का पूर्व कर्मचारी बताने वाले इस शख्स ने अपने वायरल लेटर में 2006 में एयरलाइन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए लिखा, उस समय टीमों को अपनी बनाई हुई चीजों पर गर्व था, लेकिन वह गर्व अहंकार में बदल गया और ग्रोथ लालच में बदल गई। एयरलाइन के शीर्ष प्रबंधन को संबोधित करते हुए लिखे गए इस पत्र में इंडिगो एयरलाइंस में वर्षों से चल रहे आंतरिक पतन, अनियंत्रित अहंकार और कर्मचारी संकट को उजागर किया गया है।

'रातोरात नहीं हुआ, वर्षों से चल रहा'

लेटर में इस पूर्व कर्मचारी ने लिखा कि ये संकट रातोरात पैदा नहीं हुआ है, बल्कि ये तो वर्षों से चली आ रही अनदेखी का नतीजा है। बिगड़ती कार्य स्थितियों और डर की संस्कृति के कारण ऐसा हुआ है। एक बड़ा आरोप लगाते हुए शख्स ने इसमें लिखा कि एयरलाइन में ऐसे लोग जो ठीक से एक ईमेल भी नहीं लिख सकते थे, हाई लेवल पोस्ट तक पहुंचने लगे, क्योंकि ऐसे पदों ने ईएसओपी और प्रभाव को ओपन कर दिया।

इंडिगो की नहीं आई कोई प्रतिक्रिया

लेटर में तर्क दिया गया है कि आज उड़ान में व्यवधान, देरी और कर्मचारियों की कमी का जो संकट देख रहे हैं, वह सालों के जारी तनाव का अंतिम परिणाम मात्र है। लेखक ने अपने पत्र के अंत में लिखा है, 'हम बरसों से टूटे हुए हैं, हमने व्यवस्था को टूटते देखा, नेतृत्व यूरोप से आता-जाता रहा और हम एक घंटे और आराम की दुआ करते रहे.' हालांकि, इस वायरल लेटर को लेकर अभी तक इंडिगो एयरलाइन की ओर से कोई प्रतिक्रिया शेयर नहीं की गई है।

सरकार का तर्क- देशभर के सभी बंदियों को देनी पड़ेगी समान सुविधा

वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की मांग, केंद्र ने जताई आपत्ति, दिसंबर तक टला मामला

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होने की मांग पर केंद्र सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। वांगचुक फिलहाल जोधपुर जेल में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत बंद हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 15 दिसंबर तक स्थगित कर दी। जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक की पत्नी गीतेजलि जे आंगमो ने याचिका दायर कर कहा है कि उनकी गिरफ्तारी पूरी तरह अवैध और मनमानी है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि वांगचुक जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जुड़े रहना चाहते हैं। लेकिन केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ऐसा करने से देशभर के सभी बंदियों को समान सुविधा देनी पड़ेगी, इसलिए यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

26 सितंबर को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत हुई है गिरफ्तारी

सरकार और अदालत की कार्रवाई

अदालत ने केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब दाखिल करने के लिए पहले भी समय दिया था। 24 नवंबर को भी केंद्र ने अतिरिक्त समय मांगा था, जिसके बाद सुनवाई टल गई थी। 29 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने आंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। अब कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी।

हिंसा के बाद एनएसए में गिरफ्तारी

सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में हिंसा भड़क गई थी। इन झड़पों में चार लोगों की मौत हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने माहौल भड़काया, जबकि परिवार का दावा है कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

पत्नी आंगमो के आरोप

आंगमो की याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी पुराने एफआईआर, अस्पष्ट आरोपों और बिना किसी ठोस प्रमाण के आधार पर की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह गिरफ्तारी संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है और सत्ता का दुरुपयोग है। आंगमो ने कहा कि वांगचुक पिछले तीन दशक से शिक्षा, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति पर अचानक देशविरोधी गतिविधियों का आरोप लगाना पूरी तरह अविश्वसनीय है।

हिंसा से दूरी और वांगचुक की प्रतिक्रिया

आंगमो ने अदालत को बताया कि 24 सितंबर की हिंसा को वांगचुक ने सोशल मीडिया पर खुलकर निंदा की थी और कहा था कि हिंसा से लद्दाख की पांच साल की 'तपस्या' खत्म हो जाएगी। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे दुखद दिन बताया था। एनएसए के तहत केंद्र और राज्य सरकारें किसी भी व्यक्ति को 12 महीने तक हिरासत में रख सकती हैं, हालांकि आदेश पहले भी वापस लिया जा सकता है।

'पायजामा का नाड़ा तोड़ना रेप नहीं' हाईकोर्ट पर भड़के सीजेआई

यौन अपराधों की गंभीरता को 'तकनीकी आधार' पर खारिज करने वाली अदालती टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया और यौन अपराधों से जुड़े मामलों में अदालतों द्वारा की जाने वाली टिप्पणियों और फैसले लिखने के तरीके पर एक ऐतिहासिक और कड़ा रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है,' सीजेआई सूर्य कांत ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अदालतों को, विशेषकर उच्च न्यायालयों को, फैसले लिखते समय और सुनवाई के दौरान ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से हर हाल में बचना चाहिए। शीर्ष अदालत ने न केवल उस फैसले को खारिज किया, बल्कि यह भी संकेत दिया कि वह अब देश भर की अदालतों के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करेगी ताकि भविष्य में किसी भी पीड़ित की गरिमा को न्यायिक आदेशों में ठेस न पहुंचे। कोर्ट ने माना कि जिस तरह से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी के कृत्यों को तकनीकी आधार पर 'कम गंभीर' बताया, वह न्यायिक औचित्य के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, हम व्यापक दिशानिर्देश जारी करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायिक प्रक्रिया में कुछ हद तक संवेदनशीलता बनी रहे। अदालतों को, और खास तौर पर हाईकोर्ट्स को ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से बचना चाहिए जो समाज में गलत संदेश देती हों और पीड़ित के दर्द को कम करके आंकती हों।

यह था विवादित फैसला

इस पूरे विवाद की जड़ इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला था, जिसने कानूनी जगत और समाज दोनों को हैरान कर दिया था। एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376/511 के तहत लगे आरोपों को हटा दिया था। हाईकोर्ट ने अपने तर्क में कहा था कि यद्यपि आरोपी ने पीड़िता के स्तनों को पकड़ा और उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ा, लेकिन उसने शारीरिक संबंध बनाने का कोई और प्रयास नहीं किया।'

बांग्लादेश में रुक नहीं रहे हिंदुओं पर हमले

हिंदू पुलिस अफसर के माता-पिता की हत्या

ढाका। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार की खबरें रुक नहीं रही हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम (आजादी की लड़ाई) के एक स्वतंत्रता सेनानी और उनकी पत्नी का शव बांग्लादेश के रंगपुर में उनके घर से बरामद हुआ है। दोनों की हत्या उनका गला रेतकर की गई थी। मृतकों की पहचान 75 साल के जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी शुभर्णा रॉय के रूप में हुई। रविवार सुबह पड़ोसियों के बार-बार दरवाजा खटखटाने से भी कोई जवाब नहीं मिला तो वे सीढ़ी लगाकर अंदर पहुंचे. रसोई में शुभर्णा रॉय और डाइनिंग रूम में जोगेश चंद्र रॉय का शव मिला. दोनों के गले कटे हुए थे। दंपति के दो बेटे हैं जो बांग्लादेश पुलिस में कार्यरत हैं। जोगेश चंद्र रॉय 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा थे और बाद में सरकारी प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर रहे >> 2017 में वो रिटायर हुए थे। दंपति अपने गांव के घर में अकेले रहता था। उनके दोनों बेटे शोभेन चंद्र रॉय और राजेश खन्ना चंद्र रॉय बांग्लादेश पुलिस में विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, एक जॉयपुरहाट में और दूसरा ढाका में।

यूनुस सरकार नाकाम

बुजुर्ग दंपति की हत्याएं ऐसे समय में हुई हैं जब मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस को बेरहमी से निशाना बनाया गया था। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा था।

उच्च शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट

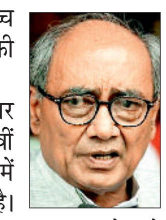

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली संसद की सर्वदलीय शिक्षा संबंधी स्थायी समिति ने उच्च शिक्षा विभाग की स्वायत्त संस्थाओं पर अपनी 371वीं रिपोर्ट संसद में पेश कर दी है। समिति के सदस्य जयराम रमेश ने रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को सार्वजनिक करते हुए कहा कि इसमें उच्च शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

अजन्ता®
AJANTA
fssai ISO ISO 20022 IS : 5346 CM/L-9405374
ESTD. 1949

Food Color Preparation
Baking Powder, Custard
Powder, Drinking Chocolate
& Flavours
www.ajantafoodproducts.com

दो माह भी नहीं टिका ट्रंप का सीजफायर

थाईलैंड ने की कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक, एफ-16 जेट से भीषण हमला

कंबोडिया में बॉर्डर के परिवार राहत शिविर में स्थानांतरित।

एजेंसी ▸▸| बैंकाक

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच फिर युद्ध भड़क गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए सीजफायर के बावजूद थाईलैंड ने एक बार फिर से कंबोडिया की सीमा पर एयर स्ट्राइक किया है। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विंथाई सुवारी ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ अपनी विवादित सीमा पर हवाई हमले किए हैं। इससे पहले दोनों देशों ने एक दूसरे पर सीजफायर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कम्बोडिया बॉर्डर पर एफ-16 को तैनात कर दिया है और कंबोडिया के बॉर्डर पर हमला कर रही है। बता दें, जुलाई में भी दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा था, तब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सीजफायर समझौता करवाया था। लेकिन यह सीजफायर दो महीने भी नहीं चला।

एक थाई सैनिक मारा गया और चार घायल हो गए

प्रीह विहार हिंदू मंदिर पर हमला

कंबोडिया की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल मैली सोचियाटा ने कहा कि हमले 8 दिसंबर को सुबह करीब 5:04 बजे आन सेस इलाके में शुरू हुए, जहां कथित तौर पर थाई सैनिकों ने कंबोडियाई ठिकानों पर गोलीबारी की। बयान के अनुसार, थाई सेना ने बाद में टैमोन थोम मंदिर, प्रीह विहार (हिंदू) मंदिर के पास 5 मकारा इलाके और चोमका चेक की ओर टैंक के गोले दागे।

आज तड़के गोलीबारी, फायरिंग और एयर स्ट्राइक

थाईलैंड की सेना का दावा है कि कंबोडिया ने भारी हथियार सीमा पर पहुंचा दिए थे। और लड़ाकू यूनिट्स को बॉर्डर पर तैनात कर दिया था। इन घटनाक्रमों के कारण हवाई ताकत का इस्तेमाल किया गया ताकि कंबोडिया की सैन्य क्षमताओं को रोका जा सके।

कंबोडिया का दावा : वहीं कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को थाई सैन्य बलों पर प्रेह विहार प्रांत में सीमा पर कंबोडियाई सैनिकों पर 'क्रूर और अमानवीय' हमलों की एक सीरीज शुरू करने का आरोप लगाया। कम्बोडिया ने इस घटना को सिर्फ छह हफ्ते पहले साइन किए गए द्विपक्षीय शांति समझौते का गंभीर उल्लंघन बताया।

असम का इतिहास-भूगोल पढ़ना हुआ अनिवार्य

गुवाहटी। असम कैबिनेट ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक अहम फैसले को मंजूरी देते हुए कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों के लिए असम का इतिहास और भूगोल अनिवार्य विषय बनाने का निर्णय लिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर लिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों को अपने राज्य के इतिहास और भौगोलिक पहचान की बेहतर समझ देना है।

आस्ट्रेलिया : भारतवंशी हत्या का दोषी करार

केनबरा। आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के सुप्रीम कोर्ट की ज्यूरी ने सोमवार को 41 साल के भारतीय मूल के राजविंदर सिंह को हत्या का दोषी पाया है। कोर्ट के मुताबिक, राजविंदर सिंह ने 24 साल की टोया कॉर्डिंग्ले की बेरहमी से हत्या कर दी थी। 2018 में वांगेटी बीच पर टोया अपने कुत्ते के साथ टहलने गई थीं। वहां उनकी हत्या कर दी गई और लाश को रेत के टीले में आधा दफन कर दिया गया था। टोया पर 26 बार चाकू से वार किए गए थे। ट्रायल के दौरान कोई स्पष्ट मोटिव स्थापित नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि सिंह और टोया के बीच कोई संबंध या संपर्क का सबूत नहीं मिला, इसलिए यह एक अचानक या किसी विवाद के बाद हुआ हमला लगता है। हत्या के अगले ही दिन राजविंदर सिंह अपनी पत्नी, तीन बच्चों और माता-पिता को छोड़कर भारत भाग गया था।

सीडैक CDAC ऑक्टस acts
प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक वैज्ञानिक संस्था)

फ़रवरी 2026 बैच आयसीटी डोमेन के लिए
स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों
के लिए प्रवेश की घोषणा

सी-डैक इंजीनियरिंग में स्नातक या एम.सी.ए और विज्ञान में स्नातकोत्तर (चयनित विषयों) के लिए निम्नलिखित कैरियर उन्मुख पूर्णकालिक 24 सप्ताह 900 घंटे के 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा करता है। सामान्य पात्रता और पाठ्यक्रम के अनुसार पात्रता के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.cdac.in ; acts.cdac.in देखें।

NCVET मानकों के अनुरूप, C-DAC के 900 घंटे के पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को 1200 घंटे (24 सप्ताह) के 40 क्रेडिट वाले स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में उन्नत किया जा रहा है। NSQF संरेखण और NCVET अनुमोदन की प्रक्रिया जारी है।

आयसीटी मे
स्नातकोत्तर (पीजी) प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
उन्नत कंप्यूटिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-AC)
बिग डेटा विश्लेषिकी में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-BDA)
एंबेडेड सिस्टम डिजाइन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ESD)
आईटी अवसंरचना, सिस्टम एवं सुरक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ITISS)
आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-AI)
वीएलएसआई डिज़ाइन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-VLSI)
मोबाइल कंप्यूटिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-MC)
उन्नत सुरक्षित सॉफ्टवेयर विकास में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-ASSD)
रोबोटिक्स और संबद्ध प्रौद्योगिकियों में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-RAT)
एचपीसी सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-HPCSA)
फिनटेक और ब्लॉकचैन विकास में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-FBD)
साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCP-CSF)

नेशनल कॉमन कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम (एनसीसीपीपी) का आयोजन बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा, और पुणे में किया गया।

पाठ्यक्रम की मुख्य बातें
- उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ अच्छी तरह से स्थापित पाठ्यक्रम।
- 24 सप्ताह के पूर्णकालिक कोर्सेस, जिनमें 900 घंटे की थ्योरी + लैब + प्रोजेक्ट तथा 300 घंटे की स्वयं अध्ययन शामिल।
- अधिकांश केंद्रों में प्रति दिन 6-8 घंटे की थ्योरी और लैब सेशन, सप्ताह में 6 दिन।
- कोर्स के दौरान लगातार लैब और आंतरिक मूल्यांकन।
- सभी केंद्रों में केंद्रीकृत कोर्स-एंड थीअरी परीक्षा।
- C-DAC, शैक्षणिक संस्थानों और ICT उद्योग के डोमेन विशेषज्ञों की सलाह से कोर्सेस डिज़ाइन और विकसित।
- C-DAC और ICT उद्योग के अनुभवी फैकल्टी, व्यापक डोमेन नॉलेज के साथ।
- ICT उद्योग मानकों के अनुरूप ट्यूटोरियल्स, हैंड्स-ऑन और प्रोजेक्ट्स।
- एटीट्यूड, प्रभावी संचार और इंटरव्यू स्किल्स पर विशेष प्रशिक्षण।
- व्यापक प्लेसमेंट ओरिएंटेशन और क्षेत्रवार कॉमन कैंपस प्लेसमेंट्स की सुविधा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि
दिसंबर 29, 2025
सी-डैक कॉमन एडमिशन टेस्ट
सी-कॅट I : जनवरी 10, 2026
सी-कॅट II : जनवरी 11, 2026
पाठ्यक्रम प्रारंभ तिथि
फरवरी 25, 2026

CBC 06132/12/0021/2526

पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले केंद्र: • बेंगलुरू (बंगळूर) • भुवनेश्वर • चेन्नई • गुवाहाटी • हैदराबाद • इन्दौर • कराड • कोच्चि • कोलकाता • मुंबई • नागपूर • नाशिक • नई दिल्ली • नोएडा • पटना • पुणे • तिरुवनंतपुरम

पाठ्यक्रम, पाठ्य विवरण, सी-कैट, पात्रता, पंजीकरण और आवेदन, प्रवेश और शिक्षा प्रदान विधि पर अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.cdac.in/acts.cdac.in पर जाएं।

9373731598/ +91 20 25503134
फ़ोन नंबर कार्य दिवसों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे और 2 बजे से 5 बजे के बीच उपलब्ध हैं
www.facebook.com/OfficiallyACTS
www.cdac.in ; acts.cdac.in

गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार संविधान के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा है: हाईकोर्ट

बदहाल मुक्तिधामों पर सभी जिलों के कलेक्टर से फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट पेश किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश भर के बदहाल मुक्तिधामों पर सभी जिलों के कलेक्टर से फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट मांगा था। यह रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी गई है। अब कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी को अपने आदेश का कंप्लायंस रिपोर्ट की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही बिलासपुर निगम कमिश्नर को शपथ पत्र में जवाब पेश करने कहा गया है। अगली सुनवाई जनवरी में रखी गई है। इधर शासन की ओर से कहा गया है कि मुक्तिधामों के रखरखाव के लिए विस्तृत दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं।

इनमें साफ-सफाई, ग्रीन फेंसिंग या कंटीले तार से बाउंड्री, शेड की मरम्मत, बिजली, पानी और पुरुष-महिला के लिए अलग शौचालय जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सोमवार को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा कि गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार संविधान के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि हर मुक्तिधाम में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध

कराई जाए। दरअसल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा 29 सितंबर को बिल्हा के मुक्तिधाम पहुंचे थे। जहां उन्होंने चारों तरफ अव्यवस्था और गंदगी देखी। वे किसी न्यायिक अधिकारी के पिता के निधन पर पहुंचे थे। जिसके बाद उन्होंने इस बदहाली पर संज्ञान लिया। पिछली सुनवाई में मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव और कलेक्टर बिलासपुर ने इस मामले में अपने-अपने शपथपत्र (हलफनामा) प्रस्तुत किया था। साथ ही, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और शहरी प्रशासन विभाग ने 6 अक्टूबर और 8 अक्टूबर 2025 को इस संबंध में राज्यव्यापी निर्देश जारी किए हैं। इस पर डिवीजन बेंच ने कहा कि केवल निर्देश जारी करने से काम नहीं चलेगा।

मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं

ध्यान रहे कि चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा 29 सितंबर को रहंगी में एक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने मुक्तिधाम की अव्यवस्था देखकर हैरानी जताई थी। मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं थी। यहां पहुंचने कोई रास्ता भी नहीं था। पानी, बैठने के कोई इंतजाम भी नहीं दिखे। जिस पर हाईकोर्ट ने इस अव्यवस्था को जनहित याचिका मानकर राज्य सरकार, जिला प्रशासन और ग्राम पंचायत को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद रहंगी मुक्तिधाम की दशा पर बिलासपुर कलेक्टर ने शपथ पत्र दिया। इसमें बताया गया कि रहंगी मुक्तिधाम में तुरंत सुधार कार्य किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने हॉल को खाली कर प्रतीक्षालय में बदला गया है। पीने के पानी की व्यवस्था की गई है और अंतिम संस्कार प्लेटफॉर्म की मरम्मत कराई गई। इसके अलावा मुख्य सड़क से मुक्तिधाम तक सीसी रोड बनाने के लिए 10 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गई है।

58 प्रतिशत आरक्षण, प्रभावित अभ्यर्थी पहुंचे हाईकोर्ट

छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत आरक्षण जारी रखने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ कुछ प्रभावित अभ्यर्थियों ने फिर से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख किया है। उन्होंने न्यायालय के समक्ष अवमानना याचिका प्रस्तुत कर राज्य सरकार से इस 58 प्रतिशत आरक्षण पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इसमें तर्क दिया गया है कि प्रदेश में इस प्रकार से दो आरक्षण रोस्टर चलने से राज्य स्तर की भर्तियों में पदों की संख्या में उन्हें सीधे हानि का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वे असमंजस की स्थिति में हैं। ज्ञात हो कि हाईकोर्ट ने 19 सितंबर 2022 को 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि यह मामला वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यह भी ज्ञात तथ्य है कि राज्य सरकार को 58 प्रतिशत आरक्षण जारी रखने के लिए उच्चतम न्यायालय से किसी भी प्रकार का स्टे नहीं मिला है। अब यह अवमानना याचिका अमीन पटवारी, एडीईओ और अन्य भर्तियों में 58 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के खिलाफ दायर की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने यह माना कि राज्य में 58 प्रतिशत आरक्षण का नियम हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना है, किंतु मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण, न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद इस मामले की सुनवाई करने हेतु सहमति जताई है।

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, केंद्र की 50 प्रतिशत राशि अभी जारी नहीं

जल जीवन मिशन में अनियमितताओं को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि मिशन के लिए केंद्र की 50 प्रतिशत राशि अभी जारी नहीं हुई है। इस पर हाई कोर्ट ने चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई तय की है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और कोई भी जवाबदेही से बचने का प्रयास स्वीकार नहीं होगा। इधर बिलासपुर जिले में जल जीवन मिशन योजना की गड़बड़ियों को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका में बदल दिया। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताए कि योजना कब शुरू हुई और इसकी अंतिम तिथि क्या है। ध्यान रहे कि पहली सुनवाई में यह तथ्य सामने आया था कि 33 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही। गड़बड़ी के कारण हजारों ग्रामीण परेशान हैं, यहां तक कि कई स्कूलों में भी पेयजल की सुविधा नहीं है। योजना के तहत राज्य और केंद्र सरकार दोनों की 50-50 प्रतिशत भागीदारी है।

बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक का मामला

बारिश में टापू बन जाते हैं 30 गांव, हाईकोर्ट के संज्ञान के बाद पुल निर्माण के लिए वर्क आर्डर जारी

बीजापुर जिले में हर साल बारिश में टापू बन जाने वाले 30 गांवों की समस्या पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। सरकार की ओर से कहा गया है किचिंतावागु नदी पर पुल निर्माण की टेंडर प्रक्रिया के बाद वर्क आर्डर जारी कर दिया है। 14 महीने में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसी हिसाब से तेजी से काम जारी है। दरअसल मीडिया में खबरें आई थीं कि बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक में हर साल बारिश के मौसम में 30 से अधिक गांवों का संपर्क टूट जाता है। चिंतावागु नदी पर पुल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जीवन जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है, जिससे न केवल राशन लाना मुश्किल होता है बल्कि स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचना भी असंभव हो जाता है। यह मामला पहली बार अगस्त 2014 में सुर्खियों में आया था जब लगातार बारिश के कारण ये गांव टापू बन गए थे। ग्रामीणों को राशन लाने और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए उफनती नदी पार करनी पड़ती थी। इस हालात को देखते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सोमवार को हुई सुनवाई में शासन ने अदालत को बताया कि चिंतावागु नदी पर पुल निर्माण के लिए टेंडर के साथ वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है।

जेल नियमों में होंगे बदलाव, 20 जिला जेलों में नियुक्त होंगे वेलफेयर ऑफिसर

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य की जेलों में बढ़ती भीड़ और कल्याण अधिकारियों की कमी पर गंभीर चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने सोमवार को राज्य सरकार और जेल महानिदेशक को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। सरकार की ओर से जवाब देते हुए कहा गया है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके लिए सीजीपीएससी के माध्यम से परीक्षा ली जाएगी। यह भी कहा गया कि पहले वेलफेयर ऑफिसर और प्रोबेशन ऑफिसर के नाम से दो अलग-अलग पोस्ट थीं। अब दोनों पदों को एक साथ मिलाकर प्रोबेशन और वेलफेयर ऑफिसर के नाम से एक सिंगल पोस्ट बनाया गया है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि छत्तीसगढ़ जेल नॉन-गजटेड III मिनिस्टीरियल और नॉन-मिनिस्टीरियल) सर्विस (क्लास रिक्रूटमेंट) रूल्स, 2022 में बदलाव भी किए गए। सरकार ने कोर्ट में जवाब देते हुए कहा कि राज्य में कुल 20 जिला जेल हैं। इन 20 जिला जेलों में नियुक्ति करने के लिए प्रोबेशन एंड वेलफेयर ऑफिसर के 20 नए पद बनाने की जरूरत है। इसलिए इसका प्रस्ताव तैयार किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-2027 के आने वाले मुख्य बजट में शामिल किए जाने के बाद, इस पोस्ट को भरने की कार्रवाई शुरू होगी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राज्य भर में नई जेल बिल्डिंग बनाते समय, अधिकारियों को मॉडल प्रिजन मैनुअल, 2016 का पालन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यह मैनुअल कैदियों के अधिकारों की सुरक्षा करता है। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेने कहा है। साथ ही डीजीपी प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज को विस्तृत शपथ पत्र दाखिल करने कहा है। कोर्ट ने मार्च 2026 में सुनवाई तय की है।

■ **डीजी, जेल एवं सुधार सेवाएं ने हाईकोर्ट में पेश किया जवाब**

नाबार्ड की मदद से छत्तीसगढ़ की सोसाइटियों के लिए बनाए जाएंगे 100 गोदाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सहकारी सोसाइटियों के लिए नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक) की मदद से 100 गोदाम बनाए जाएंगे। इस योजना के पूर्ण होने से 20 हजार मीट्रिक टन की नवीन भंडारण क्षमता समितियों में सृजित की जा सकेगी, साथ ही एक कार्यालय भवन भी प्रत्येक सहकारी समितियों को प्राप्त होगा, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के कृषकों, ग्राहकों को होगा। यह योजना नाबार्ड की सहायता से गोदाम सह-कार्यालय निर्माण योजना 2025 का हिस्सा है। सहकारी साख संरचना अंतर्गत वर्तमान में प्रदेश में 2058 पैक्स,लैम्प्स कार्यरत है। इन समितियों के द्वारा प्रदेश के ग्रामीण कृषकों को नगद एवं वस्तु संबंधी कृषि साख की आवश्यकताओं की पूर्ति, खरीफ धान उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत दुकानों का संचालन किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के प्रस्ताव के अनुसार राज्य के 100 पैक्स,लैम्प्स के पास भंडारण की व्यवस्था हेतु गोदाम उपलब्ध नहीं है अथवा उनके कार्यालय तथा गोदाम जर्जर हो चुके है, जिससे समितियों द्वारा कार्य संचालन कठिन हो गया है।

जालसाजी की रकम ट्रांसफर होने से सामान्य खाताधारकों के अकाउंट हो रहे फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑनलाइन ठगी की घटना रोकना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को ठगी की रकम होल्ड कराने ऑनलाइन पोर्टल भी बना हुआ है। पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ठगी की रकम होल्ड तो की जा रही है, रकम होल्ड होने से पूर्व ठगी की रकम जिन अकाउंट में अलग-अलग लेयर में पहुंच रही है, उसमें सामान्य खाताधारकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठगी की रकम अलग-अलग लेयर में जितने अकाउंट में पहुंचती है, साइबर पुलिस उन सभी अकाउंट को फ्रीज करा देती है। इसके कारण सामान्य खाताधारक परेशान हो रहा है। खाताधारक अपने अकाउंट फ्री कराने थाने के साथ बैंक तथा कोर्ट का चक्कर लगाने मजबूर है।

अकाउंट फ्रीज होने की शिकायत लेकर आए दिन पीड़ित साइबर सेल के पास पहुंच रहे हैं। साइबर पुलिस ऐसे शिकायतकर्ता की केवल इतनी मदद करती है कि उनका अकाउंट किस राज्य के शहर के साइबर पुलिस ने फ्रीज कराया है। अकाउंट किस कारण से फ्रीज कराया है, इस बात की जानकारी स्थानीय साइबर पुलिस नहीं दे पाती। अकाउंट फ्रीज होने की जानकारी जिस राज्य, शहर की पुलिस कराती है, इसका कारण केवल वे ही बता सकते हैं। इस वजह से सामान्य अकाउंट होल्डर ज्यादा परेशान होते हैं।

एक्सपर्ट व्यू

म्यूल अकाउंट को लेकर कोर्ट में याचिका दायर करने वाले वकील भगवानू नायक के अनुसार ऑनलाइन ठगी के पीड़ितों से ज्यादा अब वे लोग ज्यादा परेशान हो रहे हैं, जिनके अकाउंट में जालसाज ठगी की रकम डालते हैं, पुलिस को ऐसे ट्रांजेक्शन की रकम को होल्ड कराना चाहिए। पुलिस को ऐसे किसी के अकाउंट फ्रीज कराने का अधिकार नहीं है। अकाउंट फ्रीज कराने के पहले पुलिस को लीगल नोटिस जारी करना चाहिए। पुलिस के इस कृत्य से आम लोग परेशान हो रहे हैं।

साल खत्म होने को, आंगनबाड़ी केंद्रों में अब तक बंट नहीं पाई बच्चों की गतिविधियों की किताबें

रायपुर। प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में जिन गधिविधियों की पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा गर्भवती महिलाओं को

मजबूत करने तथा स्वस्थ रखने के लिए ज्ञान दिया जाता है, वही पुस्तकें दिसंबर में अब तक कई जिलों के आंगनबाड़ी केंद्रों में बंट नहीं पाई हैं। इसके कारण इन पुस्तकों का उपयोग भी नहीं हो पाया है। स्थिति यह है कि प्रदेशभर के कई जिलों की पुस्तकें थोक में महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के कार्यालय में पिछले कई हफ्तों से धूल खा रही हैं। इन पुस्तकों को सभी जिलों में भेजने के लिए अब तक व्यवस्था नहीं की जा सकी है। इधर इस मामले में जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर का कहना है कि रायपुर के सभी केंद्रों में पुस्तकों का वितरण कर दिया गया है, जो कार्यालय में रखी हैं।

किताबों की छपाई में लाखों करोड़ों रुपए खर्च

महिला एवं बाल कल्याण रायपुर कार्यालय में डंप पड़ी किताबों में 4-5 वर्ष के बच्चों के लिए गतिविधि पुस्तिका, इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में ज्ञानवर्धक बातें बताई एवं सिखाई जाती हैं। आधार शिला पुस्तक जो 3 से 6 वर्ष तक बच्चों के लिए है, इस पुस्तक में खेल आधारित गतिविधियों का संग्रह है। हमर स्वस्थ लइका पुस्तक गंभीर कुपोषित बच्चों का सामुदायिक प्रबंधन कार्यक्रम से संबंधित है। इस तरह इन गतिविधियों की किताबों की छपाई में विभाग ने लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया है।

देशभर के भ्रमण में निकली स्वदेशी संकल्प यात्रा आज रायपुर में करेगी भ्रमण

रायपुर। स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय व्यापार के सशक्तिकरण के संकल्प के साथ देशभर के भ्रमण में निकली स्वदेशी संकल्प यात्रा मंगलवार को राजधानी रायपुर में भ्रमण करेगी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव मरीन ड्राइव तेलीबांधा से झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ करेंगे। यह यात्रा रायपुर के प्रमुख व्यापारिक एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, जिससे स्वदेशी उत्पादों, स्थानीय उद्यमों और देशभर के स्वदेशी उत्पादो को नई ऊर्जा मिलेगी।

वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी उत्पादों के प्रचार और प्रसार तथा छोटे व्यापारियों को समृद्ध बनाने और आत्मनिर्भर भारत के कंसेप्ट के साथ स्वदेशी संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। 9 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य में स्वदेशी संकल्प यात्रा का शुभारंभ झंडी दिखाकर किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, उत्तर क्षेत्र विधायक पुरन्द्रर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण क्षेत्र विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौर, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू,छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल , छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव , अपेक्स बैक अध्यक्ष केदार गुप्ता, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक महास्के , छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, महिला उद्यमी, युवा व्यापारी तथा बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहेंगे। स्वदेशी संकल्प यात्रा का रायपुर भ्रमण मार्ग इस प्रकार तेलीबांधा,कैनाल रोड, शंकर नगर टर्निंग पॉइंट ,लोधीपारा चौक ,पंडरी कपड़ा मार्केट,लाल चौक करसन चैम्बर फाफाडीह, नहरपारा,स्टेशन रोड,राठौर चौक, रामसागर पारा, तात्यापारा चौक,सत्ती बाजार चौक, सदर बाजार, कोतवाली चौक, निगम मुख्यालय। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, स्वदेशी जागरण मंच छत्तीसगढ़ के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल ने राजधानी के नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं से अपील की है कि अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वदेशी संकल्प यात्रा का स्वागत कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

कार्यालय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रायपुर
बंजारी माता मंदिर के सामने रावांभाठा रायपुर (छ.ग.)

सूचना

परिवहन सुविधा केन्द्र (LL Facilitation Center) भारत सरकार के राजपत्र क्रमांक 240 (अ) दिनांक 31/03/2021 एवं 'परिवहन सुविधा केन्द्र मार्गदर्शिका-2022' जारी किया गया है। इस प्रकार रायपुर जिले हेतु लर्निंग लायसेंस बनाने के लिए 20 अतिरिक्त परिवहन सुविधा केन्द्र खोले जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिस हेतु अर्हताधारी आवेदकों से ''क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, रायपुर बंजारी माता मंदिर के सामने बिलासपुर रोड, रावांभांठा रायपुर'' में 200/- विहित शुल्क सहित वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन आमंत्रित की जाती है।

यह अतिरक्त परिवहन सुविधा केन्द्र अभनपुर, आरंग, माना, पण्डरी, धरसीवां, गोबरा-नवापारा, तोरला, खरोरा, नवा रायपुर, सारागांव, तिल्दा, खोरपा, भैंसा, गोल चौक, पचपेड़ीनाका, सेजबहार, कचना / खमतराई, कलेक्ट्रेट के पास एवं उरला क्षेत्र के लिए होगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 28.12.2025 शाम 5:00 बजे तक है। (निर्धारित तिथि व समय के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा) सुविधा केन्द्र हेतु जिले के स्थानीय निवासी को ही प्राथमिकता दी जावेगी। आवेदन शुल्क किसी भी दशा में वापसी योग्य नहीं होगा।

नोट:- उपरोक्त सूचना से संबंधित अर्हताऐं, नियम एवं शर्ते क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) में कार्यालयीन दिवसों में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है या छत्तीसगढ़ शासन परिवहन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा' परिवहन सुविधा केन्द्र मार्गदर्शिका-2022 का अवलोकन कर सकते है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी
रायपुर (छ.ग.)
जी. 252605306/2

OFFICE OF THE COMMISSIONER, NAGAR PALIK NIGAM, CHIRMIRI
Malviya Nagar, West Chirmiri, Distt.- M.C.B. (C.G.)

E-procurement Tender Notice (1st Call)
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

NIT. No./3185/Tech.-11/NPN Chirmiri/2025-26 — Chirmiri, Dated-04/12/2025
Online bids are invited for followings works up to 26/12/2025

S. No.	System Tender no.	Name of work	Last Date for online bid Submission	Last Date for Physical Submission	Probable Amount of Contract (In Lakh)
01	181184	Construction of C.C.Road, Drain & Culvert, From Bada Ground to Siddh Baba Mandir, W.No. 08, Koriya Colliery	26/12/2025	30/12/2025	Rs 200.47

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal **(https://eproc.cgstate.gov.in)** from **05/12/2025 at 10:00 Hours (IST) on wards.**
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Executive Engineer
Nagar Palika Nigam Chirmiri, District- M.C.B. (C.G.)
S.- 46165

Chhattisgarh Rural Roads Development Agency
VIKASH BHAVAN, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 1069/TC-T/CGRRDA/2025 — Dated 05/12/2025

Chief Engineer, CGRRDA, Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for Construction of CC Road Under MMGGPY, sanctioned for districts of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No.	NIT No.	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs)	Districts	Rate invited
01	1069	MMGGPY	Total Cost 102.51 Lakhs (Including GST)	Jashpur	Percentage Rate of PMGSY SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in **https://eproc.cgstate.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed NIT and other details on our website be viewed can **https://eproc. cgstate. gov.in** from 08.12.2025 from 5:30 PM & onwards. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of this website.

Chief Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Civil Lines, Raipur (C.G.)
Email: pmgsyrc4@yahoo.co.in
S.- 46167

शब्द पहेली - 6072

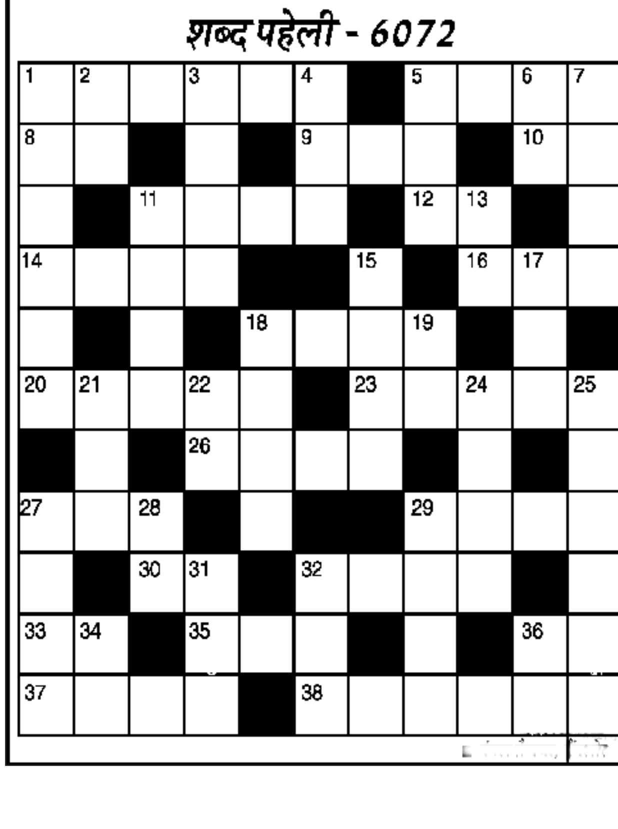

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6071 का हल

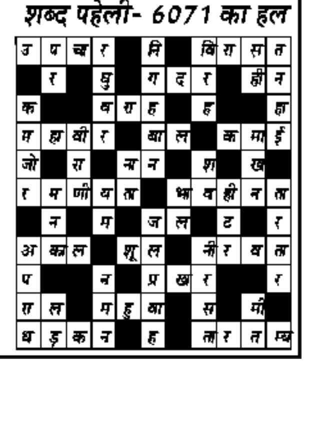

सूडोकु नवताल - 6082

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6081 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

गिरता रुपया और एआई चिप की कमी से महंगा हो सकता है स्मार्ट टीवी व स्मार्टफोन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

■ पिछले चार महीने में एआई चिप की कीमतों में 6 गुना तक वृद्धि हो गई

सितंबर 2025 में जीएसटी कट में कई प्रोडक्ट्स की कीमत कम हुई। इन प्रोडक्ट्स की लिस्ट में स्मार्ट टीवी भी हैं, जिन पर पहले 28 फीसदी जीएसटी लगता था। अब इन स्मार्ट टीवी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जीएसटी कम होने के साथ ही स्मार्ट टीवी भी सस्ते हुए है, लेकिन अब इनकी कीमत बढ़ सकती है।

स्मार्ट टीवी की कीमत बढ़ने की दो वजह हैं। एक तो स्मार्ट टीवी में इस्तेमाल होने वाले एआई चिप और दूसरा लगातार गिरता रुपया। दोनों ही वजह से टीवी की कीमत आने वाले दिनों बढ़ सकती है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच चुका

चिप्स की सप्लाई भी बनी चुनौती

ऐसे में चिप्स की कमी को पूरा करने के लिए एआई डेटा सेंटर्स को डीडीआर3 और डीडीआर4 चिप्स भी सप्लाई किए जा रहे हैं। इसकी वजह से स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी मेकर्स को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर फ्लैश मेमोरी चीन से इंपोर्ट होती हैं। इनका इस्तेमाल टीवी, मोबाइल, लैपटॉप, फ्लैश ड्राइव और यूएसबी डिवाइसों में होता है।

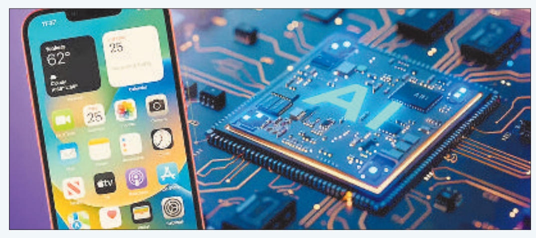

मेमोरी चिप्स हुई महंगी : सीईओ ने बताया कि पिछले चार महीनों में मेमोरी चिप्स की कीमत 6 गुना तक बढ़ गई है। इसकी वजह से टीवी की कीमतों में जीएसटी कट की वजह से जो रियायतें मिली थी, वो खत्म हो सकती हैं। इसकी वजह से टीवी की मांग जो हाल में बढ़ी थी, उसे झटका लग सकता है।

फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज

दरअसल, पिछले कुछ वक्त से बाजार में फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज है। इसका असर सिर्फ टीवी के बाजार पर ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन्स पर भी देखने को मिल रहा है। बीते कुछ दिनों में लांच हुए ज्यादातर फोन्स अपने पिछले वर्जन के मुकाबले काफी ज्यादा कीमत पर आए हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि डीडीआर3 और डीडीआर4 मेमोरी चिप्स की सप्लाई कम हुई है। इसकी वजह एआई डेटा सेंटर हैं। एआई डेटा सेट्स में डीडीआर6 और डीडीआर7 चिप्स का इस्तेमाल होता है। लेकिन मांग बढ़ने से चिप मेकर्स सप्लाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

कमजोर होता रुपया

पहले बात करते हैं रुपया की, जो अपने निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है। रुपया डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच गया है। जिन प्रोडक्ट्स को इंपोर्ट किया जाता है, उनकी कीमत पर इसका असर होगा। एसपीपीएल के सीईओ अवनीत सिंह मरवाह के अनुसार रुपये के गिरने और मेमोरी चिप्स की कीमत बढ़ने से जीएसटी का जो फायदा लोगों को मिला था, उसके पूरी तरह से खत्म होने का डर नजर आने लगा है।

खबर संक्षेप

रिलायंस इंफ्रा सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी नीत रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना कर रही है जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 2,061 से 2,165 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपये (करीब 11.86 अरब डॉलर) आंका गया है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

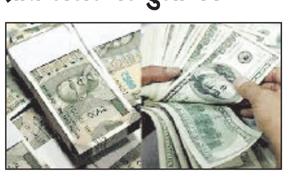

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.09 के भाव पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता जैसे कई दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।

सीएट वैश्विक बाजार के लिए टायर बना रहा

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है।

सेबी ने किया मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है।

वारी सोलर अमेरिकाज इंक को मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

वाहन डीलर संगठन फाडा ने दी जानकारी

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री नवंबर में बढ़ी, पंजीकरण में दो फीसदी तेजी: फाडा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

त्योहारों के बाद भी बिक्री में तेजी जारी

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, "जीएसटी दरों में कटौती और मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही।

त्योहारों के बाद खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही

तिपहिया, वाणिज्यिक व ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही

जीएसटी दरों में कटौती का फायदा ग्राहकों को मिला

यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 फीसदी बढ़ा

उद्योग निकाय के अनुसार, नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 प्रतिशत बढ़कर 3,94,152 इकाई हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,29,253 इकाई से अधिक है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, विवाह संबंधी मांग, उच्च प्रतीक्षा वाले मॉडलों की बेहतर आपूर्ति और कॉम्पैक्ट एसयूवी से निरंतर बढ़ावा के कारण इस खंड में वृद्धि देखी गई।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट

नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रह गई। इस प्रकार, वाहनों का भंडार (स्टॉक) का समय 53-55 दिन से घटकर 44-46 दिन रह गया जो बेहतर मांग-आपूर्ति अनुशासन का संकेत है। नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रही।

कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी बिक्री रही

विभिन्न श्रेणियों में कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी खरीदारी हुई और नवंबर में भी ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी जारी रही।" उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में त्योहारों के बाद की पारंपरिक मंदी को दरकिनार कर दिया गया तथा पिछले वर्ष के असामान्य रूप से उच्च तुलनात्मक आधार के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया गया।

ट्रैक्टर पंजीकरण में 57 फीसदी की वृद्धि

उद्योग निकाय ने बताया कि ट्रैक्टर पंजीकरण में पिछले महीने सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह नवंबर 2024 की 80,507 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,26,033 इकाई रहा। फाडा ने कहा, " अगले तीन महीनों में भारत की मोटर वाहन खुदरा बिक्री का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, जिसे जीएसटी 2.0 कर युक्तिकरण, ग्रामीण आर्थिक संकेतकों में सुधार से निरंतर गति का समर्थन प्राप्त है...वहीं 74 प्रतिशत डीलर को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है...."

नए मॉडल की पेशकश में मांग बढने की उम्मीद

उद्योग निकाय ने कहा कि जनवरी में अपेक्षित मूल्य वृद्धि, 2026 में नए मॉडलों की पेशकश और विवाह संबंधी मांग से बिक्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही फसल से होनी वाली आय से ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार लुढ़का, 1 दिन में 7.5 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

■ सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी 26 हजार के नीचे आया

■ विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बना दबाव

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से एक ही दिन में निवेशकों के 7.5 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक इस सप्ताह की फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। नायर ने कहा कि मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है।

इन शेयरों में रही गिरावट : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई।

भारत अपने लिए लाभकारी स्रोतों से तेल खरीदने को आजाद: रूस

■ भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा। अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, "भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा।" वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

भारत पश्चिमी दबाव से घटा रहा आयात

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा, "प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।"

भारत की कारों में भी लागू हो जंग-रोधक सुरक्षा उपाय

■ निर्यात की जाने वाली कारों में 70 फीसदी ज्यादा परतदार इस्पात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कारों के लिए जंग-रोधक उपायों के मामले में घरेलू और निर्यात बाजारों में बराबरी की जरूरत है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। इस समय भारत में जो वाहन निर्यात के लिए बनाए जाते हैं, उन्हें घरेलू बाजार में बेची जाने वाली कारों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत जंग-रोधक सुरक्षा मिलती है। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में बनी और यूरोप, जापान, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका भेजी जाने वाली कारों में आमतौर पर 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और इन पर 6-12 साल की जंगरोध की वारंटी होती है। इसके उलट, भारत में बिकने वाली ज्यादातर कारों में बहुत कम परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और लगभग कोई जंगरोध की वारंटी नहीं होती। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि जंग से देश को हर साल जीडीपी का लगभग पांच प्रतिशत या 100 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होता है।

टोरेंट पावर का एलएनजी खरीदने जेईआरए से करार...

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है। यह एलएनजी टोरेंट समूह की शहरी गैस वितरण कंपनी टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा करेगा।

सीएमपीडीआई मिनी रत्न cmpdi Mini Ratna
सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LTD.
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी ईकाई)
गोन्दवाना प्लेस, काँक रोड राँची - 834008, झारखण्ड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यो एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India
G.E. Road, Raipur – 492010 (CG)

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: Name of Work : Construction Work of Badminton Court in NIT Raipur. Enquiry no.: No./NITRR/EE/EO/ETender/2025/0247 Raipur, Dated: 05-12-2025 (2nd call).
जो की ई–निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.in/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि 13/12/2025 18:00 बजे तक व निविदा खुलने की तिथि 15/12/2025 16:00 बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.in/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।
–सही–
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर
ASA

केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर
KENDRIYA VIDYALAYA BAIKUNTHPUR
रामपुर, पोस्ट-बैकुंठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)
Rampur, Post-Baikunthpur, Distt. Korea (C.G.)
Website: seclbaikunthpur.kvs.ac.in E-mail: baikunthpurkv@gmail.com

सूचना 2025-26

केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर में वर्तमान सत्र में पूर्णत: अंशकालिक संविदा आधार पर स्नातकोत्तर शिक्षक वाणिज्य के पद पर शिक्षण हेतु केन्द्रीय विद्यालय सगठन के मानदंडों के अनुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों से दिनांक 15.12.2025 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। समस्त पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार दिनांक 15.12.2025 तक अपने हस्ताक्षरित आवेदन पत्र तथा स्वप्रमाणित शैक्षिक दस्तावेजों के साथ विद्यालय की ई – मेल baikunthpurkv@gmail.com पर अवश्य प्रेषित करें।
प्राचार्य

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com
No.04-04/W/1817 Raipur, date 05.12.2025

EXPRESSION OF INTEREST

EOI No. CEC/DSPM-KE/W/2025/153

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (CSPGCL) द्वारा कोरबा ताप विद्युत गृह (KTPS) निजी रेलवे साइडिंग (लगभग 4.2 किमी लंबी) के उपयोग हेतु इच्छुक योग्य संस्थाओं से "रूचि अभिव्यक्ति" (EOI) आमंत्रित की जाती है। रूचि रखने वाले इच्छुक पक्ष, आवश्यक अर्हताओं एवं शर्तों सहित विस्तृत विवरण CSPGCL की वेबसाइट www.cspc.co.in/cspgcl पर देख सकते हैं।

EOI प्रस्तुतीकरण की अंतिम तिथि: दिनांक 26.12.2025।

मुख्य अभियंता (सिविल)
SAVE ELECTRICITY छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनीलिमिटेड, रायपुर

कार्यालय नगर पंचायत बम्हनीडीह, जिला - जांजगीर चांपा (छ.ग.)
Email id- npbamhanidih@gmail.com
क्रमांक / 593/लो.नि.वि./न.पं./2025-26 बम्हनीडीह, दिनांक 08.12.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत बम्हनीडीह में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलॉईन निविदा (ई-टेण्डर) ओपन टेण्डर अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	ई-निविदा प्रारंभ तिथि	ई-निविदा अंतिम तिथि	ई-निविदा खोलने की तिथि	निविदा दस्तावेज प्राप्त एवं परीक्षण तिथि
01	181338	अटल परिसर (मूर्ति स्थापना सहित निर्माण कार्य)	08.12.2025 17:30 बजे से	29.12.2025 17:30 बजे तक	02.01.2026 12:00 बजे से	01.01.2026 17:30 बजे तक

निविदा में भाग लेने वाले इच्छुक फर्म/ठेकेदार एवं कार्य से संबंधित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं Portal Main: https://eproc.cgstate.gov.in/www.uad.cg.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा आमंत्रण सूचना निविदा का ही भाग है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बम्हनीडीह जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी कोरबा (छत्तीसगढ़)

क्रमांक / 12489 / पुनर्वास / 2025 कोरबा दिनांक 22.09.2025

प्रति,
महाप्रबंधक,
एसईसीएल
कोरबा / गेवरा / कुसमुण्डा / दीपका

विषय:- एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों में परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण तथा भुगतान के संबंध में।
--00--

विषयांतर्गत लेख है कि भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियाँ एसईसीएल कोरबा, गेवरा, कुसमुण्डा एवं दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में खनन व उससे संबंधित गतिविधियों के लिए अर्जन की प्रक्रिया कोल बियरिंग एक्ट 1957 के तहत् पूर्ण की जाती है। प्रायः देखा गया है कि उक्त कंपनियों द्वारा कोल बियरिंग एक्ट के अधीन अर्जित क्षेत्रों में धारा 9(1) के प्रकाशन के बाद भूमि का मुआवजा निर्धारित किया जाता है किन्तु परिसम्पत्तियों का मुआवजा निर्धारण काफी विलम्ब से किया जाता है। इसके कारण दो परिस्थितियाँ निर्मित होती है:-
1. गांव के मूल निवासियो की परिसम्पत्तियों के मूल्यक्षय होने के कारण उन्हें प्राप्त होने वाले कुल मुआवजे में कमी होती है।
2. कुछ व्यक्तियों द्वारा सिर्फ मुआवजा प्राप्ति के लिए शासकीय एवं निजी भूमि पर परिसम्पत्तियों का निर्माण किया जाता है।

उपरोक्त में से प्रथम बिन्दु जहां भूमि अर्जन एवं पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की मूल भावना के विपरीत है, वही दूसरे बिन्दु के कारण न केवल शासन पर वित्तीय भार का सृजन होता है बल्कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं अपदा प्रबंधन विभाग के पत्र क्रमांक / 2801 / 2024 / सात:1 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 14.10.2024 की मंशा के विरुद्ध है। इसलिए एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों में अर्जन की प्रक्रिया तेज करने तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण के कारण मुआवजे में गड़बड़ी की शिकायतें, जो ग्रामीणों द्वारा समय-समय पर की जाती है, की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों में भूमि एवं परिसंपत्तियों के सर्वेक्षण, मुआवजा के निर्धारण एवं भुगतान हेतु निम्नानुसार निर्देश प्रसारित किये जाते है:-
1. कोल बियरिंग एक्ट 1957 की धारा 4(1) के प्रकाशन के तत्काल पश्चात परिसम्पत्तियों का सैटेलाईट इमेज / ड्रोन सर्वेक्षण किया जाये।
2. अर्जित क्षेत्र में जिन ग्रामों की भूमि का मुआवजा निर्धारित नही किया गया, वहां भूमि अर्जन एवं पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और परदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की अनुसूची-एक के तहत भूमि एवं परिसम्पत्तियों के मुआवजे का निर्धारण एक साथ किया जाये।
3. भविष्य में अर्जित होने वाले क्षेत्रों में भूमि एवं परिसम्पत्तियों के मुआवजा का निर्धारण साथ-साथ किया जाये।
4. सैटेलाईट इमेज / ड्रोन सर्वेक्षण के तत्काल पश्चात उसकी एक कॉपी जिला प्रशासन को इसके अलावा संबंधित तहसील, थाना तथा नगरीय निकाय / पंचायत को अनिवार्यतः उपलब्ध करायी जावे।
5. कोल बियरिंग एक्ट 1957 की धारा 9 (1) के प्रकाशन के तत्काल पश्चात परिसम्पत्तियों का सर्वेक्षण प्रारंभ किया जाये, जिसमें परिवार सर्वेक्षण भी सम्मिलित हो। परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण का कार्य अनुविभागीय अधिकारी (रा.) द्वारा एसईसीएल के कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए गठित संयुक्त टीम द्वारा किया जाये।
6. परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण के समय परिसम्पत्तियों का हैण्ड होल्डिंग जी.पी.एस. उपकरण के माध्यम से जी.पी.एस. प्वाईट लेकर जियोटेगिंग प्रत्येक सम्पत्ति का किया जाये।
7. अगर परिसम्पत्ति का निर्माण ड्रोन सर्वे के बाद किया गया है, तो परिसम्पत्तियों का सर्वेक्षण किया जाये किन्तु मीजरमेंट बुक में मुआवजा जीरो कर संयुक्त टीम द्वारा हस्ताक्षरित किया जाये।
8. परिसम्पत्तियों का सर्वेक्षण परिवार के अलग-अलग सदस्यों के नाम पर करने के स्थान पर यथा संभव भूमि स्वामी के नाम पर किया जाये।
9. शासकीय भूमि पर कई परिसम्पत्तियों का निर्माण सिर्फ मुआवजा प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाता है। उन परिसम्पत्तियों पर न कोई निवासरत रहता है और न ही कोई उपयोग किया जाता है, ऐसी परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण के समय परिसम्पत्तियों के स्वामी (Claimant) से ऐसे दस्तावेज प्राप्त किये जाए, जिससे यह प्रमाणित हो कि परिसम्पत्ति उसी की है।
10. परिसम्पत्तियों के मुआवजा वितरण के समय प्रत्येक परिसम्पत्ति का विनष्टीकरण करने के पूर्व तथा पश्चात जी.पी.एस. आधारित जियो टैग फोटो एवं विडियोग्राफी की जाये।
11. परिसम्पत्तियों के विनष्टीकरण के पूर्व गणना पत्रक के साथ उक्त परिसम्पत्ति का भौतिक सत्यापन किया जाये। भौतिक सत्यापन कर मिलान किया जाये कि परिसम्पत्ति के मुआवजा की गणना मेजरमेंट बुक के अनुसार है या नहीं।

अतः उपरोक्त निर्देशों के अनुरुप त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर
कोरबा (छत्तीसगढ़)

प्रथम पृष्ठ का शेष

वित्त मंत्री चौधरी...

जमीन ले या फिर एक एकड़ जमीन ले, उसकी पहले 15 हजार वर्गफीट की गणना वर्गफीट के आधार पर होनी थी। लेकिन अब इस इंक्रीमेंटल प्रावधान को नए आदेश में समाप्त कर दिया गया है। अब पूर्व प्रचलित उपबंध अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल तक, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल तक, और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन के प्रावधान को यथावत लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। आप पत्रकार लोग प्रयोग करते हैं कि यह सरकार का यूर्टन है क्या, ऐसा कुछ नहीं है। जनता के हित में सरकार का यह उठाया गया कदम है।

0 पहले जो निर्णय लिया गया था वो आखिर किनको पसंद नहीं आया, इस संबंध में कुछ बताएं?

00 जमीनों में पहले वर्गफीट का रेट अलग होता था हेक्टेयर का रेट अलग होता था। इसके कारण बहुत सारे स्कैम हो गए। जैसे भारतमाला में भी स्कैम हुए। लोगों ने जमीनों के टुकड़े-टुकड़े करके करोड़ों रुपए का ज्यादा मुआवजा लेने का काम किया। इसके कारण भारत सरकार से योजनाओं के लिए जो पैसा मिल सकता था, वह भी नहीं मिल पाया। इसी वजह से केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने कहा- आप अपने सिस्टम को सुधारें। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव को भी कहा। इसके बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई कि इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है। इस कमेटी की अनुशंसा के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में वर्ग फीट के रेट को समाप्त करके हेक्टेयर का रेट लागू किया गया। वर्ग फीट और हेक्टेयर के रेट में 12 से 15 गुना का अंतर था। ऐसे में कई स्थानों पर हेक्टेयर के रेट में तीन से चार गुना इजाफा करना पड़ा। ऐसे में कुछ स्थानों पर अव्यवहारिक स्थिति उत्पन्न हुई। मैं बताना चाहता हूं, प्रदेश में दस हजार से ज्यादा अनावश्यक रूप के कंडिकाएं बना दी गई थीं। इसमें से करीब चार हजार कंडिकाओं को समाप्त करने का फैसला किया गया। उसके कारण भी कई जगहों पर अव्यवहारिक स्थिति बनी है। जहां पर भी ऐसी स्थिति बनी है, उसको सुधारने के लिए तैयार हैं।

गाइडलाइन दरों पर...

राज्य सरकार द्वारा गाइडलाइन दरों में किए गए कई जनहितैषी सुधार भी लागू हो चुके हैं। नजूल, आबादी और परिवर्तित भूमि पर पहले वर्गमीटर दर लागू होती थी, जिसे अब कृषि भूमि की तरह हेक्टेयर दर पर लागू किया जाएगा। इससे भूमि मूल्य में भारी कमी आई है और नागरिकों को वास्तविक राहत मिली है। उदाहरणस्वरूप रायपुर के वार्ड 28 में एक एकड़ भूमि का मूल्य पहले 78 करोड़ रुपये आंका जाता था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार केवल 2.4 करोड़ रुपये होगा।

मूल्यांकन अब बिल्ट...

में बेसमेंट और प्रथम तल पर 10 प्रतिशत तथा द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत की छूट के साथ मूल्यांकन करने का निर्णय लिया गया है, जिससे मध्यम वर्ग को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयाँ उपलब्ध होंगी।

स्टेट बार काउंसिल...

कोर्ट ने आदेश दिया कि 20% सीटें महिला सदस्यों के चुनाव द्वारा और 10% सीटें को-ऑप्शन द्वारा भरी जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिन काउंसिलों में महिलाओं की संख्या अपर्याप्त हो सकती है, उनके संबंध में को-ऑप्शन का प्रस्ताव उसके समक्ष रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन 6 बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए सीटें निर्धारित करना विवेकपूर्ण नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। राज्यों के बार काउंसिल चुनावों में महिला रिजर्वेशन मामले पर सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, सभी राज्य बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए 30% रिजर्वेशन के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

नक्सल उन्मूलन के...

के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को हमारी सरकार के 2 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन दो वर्षों में यहां के जवानों ने काफी बहादुरी से नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खाते में के लिए डेडलाइन जारी किया है। जिसमें लगातार सफलता मिल रही है, नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत पूरा लाभ मिलेगा।

एमसी जोन में...

हिड़मा और एक रामधेन था। जिनका समर्पण हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि एमसी जॉन की यह सीमा अब नक्सल मुक्त होकर खाली हो गई है। हम इस पुनर्वास का स्वागत करते हैं।

एक करोड़ के...

लंबे समय से सक्रिय इन नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने के लिए लगभग एक माह से राजनांदगांव पुलिस सक्रिय नजर आ रही थी।

अप्रशिक्षित हाथों ...

बीके मिश्रा ने रेल हादसे की जांच की शुरु की थी। इस दौरान उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुए तीन दिन तक इलेक्ट्रिकल ओपी, इलेक्ट्रिकल, एसएंडटी, मैकेनिकल, सीएंडडब्लू सहित अन्य विभाग के अफसरों व कर्मचारियों से पूछताछ की। वहीं, 20 दिन के बाद सीआरएस श्री मिश्रा ने मामले की मुख्य अभियुक्त मेमू की असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि राज से केन्द्रीय रेलवे हास्पिटल में जाकर घटना के संबंध में दो घंटे तक चर्चा की थी। सोमवार की रात रेल सुरक्षा आयुक्त श्री मिश्रा ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट एसईसीआर जोन मुख्यालय और डिवीजन को भेज दी है। इस रिपोर्ट में उन्होंने बताया है कि लोकल ट्रेन के हादसे की पूरी गलती रेल प्रशासन की है। विभाग ने चालक को साइको टेस्ट में पास नहीं होने के बाद भी यात्री ट्रेन को चलाने की जिम्मेदारी सौंप दी। अगर यात्री ट्रेन की कमान किसी को देना था तो उसे सायकोलोजिकल टेस्ट पास चालक को दिया जाना था। रेल प्रशासन की गलती के कारण यह हादसा हुआ है, जिसे सुधार करने की आवश्यकता है।

मोदी बोले-नेहरू...

जिस मंत्र और जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी और त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था। उस वंदे मातरम् को स्मरण करना हम लोगों का सौभाग्य है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस पल के साक्षी बन रहे हैं। देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा की गई।

10 हजार बिजली अधिकारी...

का पूरा पैसा देना होगा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। ऐसे में इस योजना के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ ही राज्य सरकार ने भी अपनी सब्सिडी जारी की है। ऐसे में अब डबल सब्सिडी के कारण आम उपभोक्ता इसकी तरफ प्रभावित हो रहे हैं। आवेदनों की रफ्तार में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। अब तक एक लाख से ज्यादा आवेदन हो गए हैं। इसी के साथ 16 हजार घरों में सोलर पैनल भी लग गए हैं। अब देना पड़ रहा पूरा बिल - पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को तो बिजली की पूरी खपत पर छूट मिलती थी। अगर किसी अधिकारी की खपत हजार यूनिट भी होती है तो उसको पांच सौ यूनिट के ऊर्जा प्रभार के ही पैसे लगते थे। लेकिन टैक्स में कोई छूट नहीं मिलती है। पहले पांच सौ यूनिट की खपत करने पर 2610 रुपए के टैरिफ के स्थान पर 1305 रुपए लगते थे, लेकिन अब पूरे पैसे देने पड़ रहे हैं। इसी तरह से हजार यूनिट की खपत का बिल 6590 रुपए होता है, इसका आधा यानी 3295 रुपए ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरे पैसे लग रहे हैं। दिसंबर का जो बिल आ रहा है, उसमें छूट का समाप्त कर दिया गया है।

चैतन्य बघेल की ...

शराब घोटाला केस में गिरफ्तार चैतन्य बघेल 18 जुलाई से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। चैतन्य की ओर से अदालत में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए राहत की मांग की गई थी। वहीं ईडी ने अपने पक्ष रखते हुए चैतन्य के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर विस्तार से तर्क दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई। दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

अपराध सिर्फ ...

घोटाले मामले में जांच चल रही है, और आज चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी तक एक भी समंस चैतन्य बघेल को नहीं दिया गया है। मार्च में जब उनके घर में रेड की गई थी तब उनके सभी डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए थे। जो डॉक्यूमेंट एजेंसी ने मांगी थी, उन्हें सभी डॉक्यूमेंट को चैतन्य के जरिए दिया गया है। ईडी की जांच में चैतन्य बघेल ने लगातार सपोर्ट किया है, जांच में भी शामिल हुए हैं लेकिन एक बार भी उनका बयान नहीं लिया गया। सीधे उनकी अरेस्टिंग की गई है। कानून को ताक पर रखकर चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया गया है, उनका अपराध सिर्फ यही है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे हैं।

1500 करोड़ की...

लोग इस ठगी के शिकार हुए हैं। दिल्ली के मालवीय नगर निवासी रवींद्रनाथ सोनी ने लगभग सात साल तक धोखाधड़ी का जाल फैलाया।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल थ्री व्हीकल शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6पोस्ट युवक युवतियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- मालवा TVS मेन रोड व्यापार विहार, बिलासपुर 88279 48333, 9340093263, 9098261087 (39353)

आवश्यकता है-डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email- raipurhyd@gmail.com 8871739555 8770949941 (39358)

आवश्यकता है-किताब दुकान में कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (39355)

आवश्यकता है-एजेन्सी में सप्लाई हेतु छोटा हाथी ड्राइवर (सप्लायर) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी MIG-45 नेहरू नगर बिलासपुर 9755885780, 9893056082 (3179)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (39360)

आवश्यकता है-बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलिकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर बुधवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस- वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड नम्बर 2 मंगला बिलासपुर 7987917660 (39348)

आवश्यकता है-DJ शोरूम में कार्य हेतु चार लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन 8000 से 10000 योग्यता अनुसार। फ्रेशर और अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 9685005500 (39335)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- 27खोली चौक मुंगेली रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827901976, 87188 88555 (39359)

आवश्यकता है-गर्ल्स वियर कपड़े दुकान में कार्य हेतु टेलर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए वेतन 6000 से 10000+ कमीशन मेहनती व्यक्ति सम्पर्क करें- पूजा ड्रैसेस, खाटूश्याम मंदिर के आगे जूनाबिलासपुर 9755974442, 79996 91779 (39356)

आवश्यकता है-बंगाल स्वीट्स में मैनेजर+ कैशियर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है कार्य समय 12घंटे, वेतन 8000 से 10000 अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- सत्यम चौक के पास लिंक रोड बिलासपुर 9343335328 (39333)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (फीमेल), ईरिक्शा ड्राइवर, मार्केटिंग मैनेजर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर अपना बायोडाटा भेजें 6263077177 (39361)

आवश्यकता है-आफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इंटरव्यू समय 11 से 2बजे तक। फ्रेशर/ अनुभवी सम्पर्क करें- डीआर कंसल्टेंन्ट, राजीव गांधी चौक बिलासपुर 6263337237 (39332)

आवश्यकता है-ड्राइवर चाहिए प्रचार वाहन टाटा एश चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर चाहिए। कार चलाने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 7869651234 (39351)

आवश्यकता है-बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम, बिजली की सुविधा फ्री। पता बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 (39331)

आवश्यकता है-सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है कार्य स्थल बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेस महाराणा चौक बिलासपुर 99816 30084 9425534940 (39347)

आवश्यकता है-सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड,स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस साइटर जिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण, निगम संबंधी कार्यों हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (39304)

आवश्यकता है-कांट्रेक्टर फॉर्म बिलासपुर में मैकेनिकल, टेक्नीकल इंजीनियर या जानकार (क्रेशर- पुंजलोना, टेरेक्स) हाइवा, एक्सेवटर, लोडर के मैन्टेन्स हेतु अनुभवी युवक चाहिए (समय 11 से 7बजे) सैलरी- योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9203390737 (39340)

आवश्यकता है-आथोराइज्ड सर्विस सेन्टर में टैली बिजी अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर दो लड़के, ऑनलाइन कालिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अमन इलेक्ट्रॉनिक्स पुराना सरकंडा बिलासपुर 93038 91231, 9111000631,07752 404896 (39341)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर- 15, सुरक्षागार्ड- 66, वेतन 13000- 10000/- सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 77460 00019 (348)

आवश्यकता है-होलसेल दवा दुकान में काम करने हेतु Diploma in Pharmacy पास लड़को की आवश्यकता है सैलेरी योग्यता अनुसार अपना बायोडाटा मोबाइल नम्बर पर व्हाट्सएप करें- 7999934599 (39319)

आवश्यकता है-सर्वमंगला टेन्ट हाउस में काम करने के लिए लड़कों एवं मैनेजर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कुम्हार पारा रोड राजीव गांधी चौक बिलासपुर 6260273334, 9826601147 (39357)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए इंडियन और तन्दूर मिस्त्री, किचन हेल्पर, वेटर लेडीज जेंट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 83193 44041 (39338)

आवश्यकता है-शहर के प्रतिष्ठित संस्थान द कॉस्मे केयर में क्लीनिकल असिस्टेंट- 2(m/f), नर्सिंग स्टॉफ- 2(m/f), आफिस फ्रंट डेस्क- 2(m/f) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जरहाभाठा मन्दिर चौक मेन रोड बिलासपुर 9753808436 (39325)

आवश्यकता है-चिल्हर दवाई दुकान के बिलिंग करने, माल निकालने, प्रिसक्रिप्शन पढ़ने के लिये लड़के, लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (39329)

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 (757)

आवश्यकता है-शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वी स्नातक वेतन- 12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करें- 8871422576, 99815 76163 (515)

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (39322)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर शिक्षक/ शिक्षिका, CBSE 3rd बालक घर/ कोचिंग पढ़ाने हेतु फिल्ड वर्क चाहिए वेतन योग्यतानुसार 10000+ कमीशन। अटल चौक बहतराई स्टेडियम बिलासपुर पार्ट/ फुल टाइम टाइमपास ना। जरूरतमंद कॉल- 6262354545 (39344)

आवश्यकता है-सुनहरा अवसर नौकरी परमानेंट बेसिस पर सीधी पक्की भर्ती 6230 सीट पद वन रक्षक, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, वन रेंजर सैलरी 28500-38500/- 10वी,12वी पास लड़के, लड़कियां आवेदन के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट, फोटो मार्क शीट व्हाट्सएप/ कॉल करें- 9685327774 (1254)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें-78701 92397, 779688012 (385)

आवश्यकता है-Realince Jio 5G कंपनी मे पार्ट टाईम/ फुल टाईम SMS करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाए घर बैठे 21500-45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Whatsapp/ Call/ SMS करें- 97985 44556, 9296821428 (1255)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है-NSN कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35वर्ष, सैलरी 10000 से 15000, रहना फ्री सम्पर्क करें-रायपुर 99939 29100, भिलाई 98276 22050 (411)

बेचना है

बेचना है-40×75=3000 पश्चिम मुखी 25फिट रोड में पुराना मकान टिपटॉप बना। जैन हॉस्टल गली, विनोबा नगर में जमीन की कीमत में बेचना है कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9131242092, 9827938236 (39354)

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क छतौना रोड में हाईकोर्ट से लगा हुआ TNC Rera रजिस्टर्ड कालोनी में 35×52= 1820 वर्गफुट जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9109818177, 9399792651 (39345)

बेचना है-150 फुट का फ्रंट 95 डिसमिल जमीन सरगांव में रायपुर बिलासपुर मेन रोड से एक किलोमीटर अन्दर दरसा रोड में बेचना है। 22 लाख चूकता सम्पर्क करें- अमितराज गुप्ता 9300833924 (39326)

बेचना है-नेहरू चौक से 400 मीटर दूर स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान (कीमत 75 लाख) शीघ्र बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क करें- 7648017211 (39342)

बेचना है-भारतीय नगर एल-1 में टोटल 1680 वर्गफुट में बना सर्व सुविधा युक्त डबल स्टोरी मकान अतिशीघ्र बेचना है कीमत 75लाख सम्पर्क करें- 8251925145 (39324)

बेचना है-भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839422720, 88274 05230 (39339)

बेचना है-गंगा नगर, अमन विहार चड्डा बाड़ी और बीएन सिटी के पास डायवर्टेड प्लाट एवं मकान रेडी पजेशन में बेचना है। सम्पर्क करें- 98271 57523, 7898318935 (39328)

किराया

किराया-महाराणा प्रताप चौक, नगर निगम कॉलोनी में सेकेण्ड फ्लोर में 1BHK, थर्ड फ्लोर में 1BHK मकान ऑफिस एवं रहने के लिए किराए से देना है सम्पर्क करें- 9424145652 (39352)

किराया- शहर के मध्य मिशन अस्पताल के सामने लखीराम ऑडिटोरियम रोड में स्थित 2BHK प्रथम तल का मकान किराये से देना है शासकीय कर्मचारी, परिवार वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9770117329 (39334)

किराया-बिलासपुर में 27 खोली में गुरुद्वारा के सामने 2बीएचके प्रथम तल पर मकान किराए से देना है जॉब वाले ही सम्पर्क करें-9752079958 (39330)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होम लोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नम्बर- 98170 98991, 9817098991 (412)

फाइनेन्स-विजया फाइनेन्स कम्पनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधार कार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर सम्पर्क करें- 7750826959, 94241 64185 (413)

फाइनेन्स-रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी पर्सनल बिजनेस दुकानदारी ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क करें- 9311830460 (414)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने अमित पासी

एजेंसी ▶▶| बड़ौदा

पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और 9 छक्कों से 114 रन ठोके

बड़ौदा से डेब्यू करने वाले विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज अमित पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और नौ छक्कों की मदद से 114 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके साथ वह सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए और वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने से वह सिर्फ 1 रन दूर रह गए।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बड़ौदा अपनी लीग स्टेज का अंतिम और सातवां मैच खेलने उतरी। कप्तान विष्णु सोलंकी ने 25 रन बनाए, जबकि अंत में भानु पानिया ने 28 रन की पारी खेली। इन पारियों के दम पर बड़ौदा ने 5 विकेट पर 220 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 26 साल के अमित पासी बड़ौदा के लिए अपना पहला मैच खेल रहे थे। नियमित विकेटकीपर जितेश शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जिसके चलते उन्हें बड़ौदा का कैंप छोड़ना पड़ा। इस कारण अमित पासी को डेब्यू करने का मौका मिला और उन्होंने इसे दोनों हाथों से लपका। अमित पासी अब टी20 क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले 2015 में बिलाल आसिफ ने फ़ैसलाबाद में स्टैलियंस की ओर से खेलते हुए अपने टी20 डेब्यू में 114 रन बनाए थे। अब अमित पासी ने भी उसी आंकड़े को छू लिया है अगर वो एक रन और बना लेते तो डेब्यू में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड पारी उनके नाम दर्ज हो जाती।

राजस्थान से जीता झारखंड

ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हरा दिया तो वहीं बंगाल की टीम को हरियाणा के खिलाफ हार मिली। बंगाल ने हरियाणा को 24 रन से हरा दिया। झारखंड की टीम ने 7 में से 7 मैच जीते और अंकतालिका में ग्रुप डी में 28 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा तो वहीं हरियाणा की ये 7 में से 5वीं जीत रही और ये टीम 20 अंक के साथ ग्रुप सी में पहले स्थान पर रहा। झारखंड और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में झारखंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 215 रन बनाए और इसके जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई। झारखंड के लिए ओपनर विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 5 छक्के और 4 चौकों के साथ 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली तो वहीं कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन बनाए जबकि रॉबिन मिंज ने 27 गेंदों पर 58 रन बनाए। राजस्थान के लिए करन लांबा ने 52 रन की पारी खेली तो वहीं राजस्थान के खिलाफ झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने 3-3 विकेट झटके।

यूपी को हराकर बिहार ने जीता मुकाबला

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट में आखिरकार बिहार की टीम को 6 मैचों के बाद आखिरी लीग मैच में जीत मिल ही गई। इस मैच में बिहार के स्टार ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी नहीं खेले थे जिनका प्रदर्शन अगर एक शतक को छोड़ दें तो साधारण ही रहा था। बिहार ने अपना आखिरी लीग में इस टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला और इस मुकाबले में यूपी ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 124 रन ही बना पाई। बिहार को जीत के लिए 125 रन का ज्यादा मुश्किल टारगेट नहीं मिला था और इस टीम ने 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 145 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेशक बिहार को इस मैच में जीत मिली, लेकिन ये टीम अगले दौर से पहले ही बाहर हो चुकी है।

विदर्भ ने आंध्र को हराया, यश ठाकुर ने झटके चार विकेट

लखनऊ। विदर्भ ने तेज गेंदबाज यश ठाकुर के चार विकेट की मदद से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अंतिम दौर के मैच में आंध्र को 19 रन से पराजित किया। आंध्र की टीम ग्रुप ए से मुंबई के साथ पहले ही अगले दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी है लेकिन अंतिम मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 154 रन बनाए। इसके जवाब में आंध्र की टीम नौ विकेट पर 135 रन नहीं बना सकी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 22 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पहले मैच में पांच विकेट लिए थे और इस तरह से कुल 18 विकेट लेकर प्रतियोगिता में अपने अभियान का समापन किया। विदर्भ की पारी अमन मोखड़े (50) और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर (41) के इर्द-गिर्द घूमती रहीं।

अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी टीम इंडिया

भारत-द.अफ्रीका के बीच पहला टी20 आज, शुभमन और हार्दिक की वापसी

एजेंसी ▶▶| कटक

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम 9 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है।

विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिए के साथ उतरेगी, जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच 7 फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा।

भारत ने टी20 में किया दमदार प्रदर्शन

पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है, जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा, जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

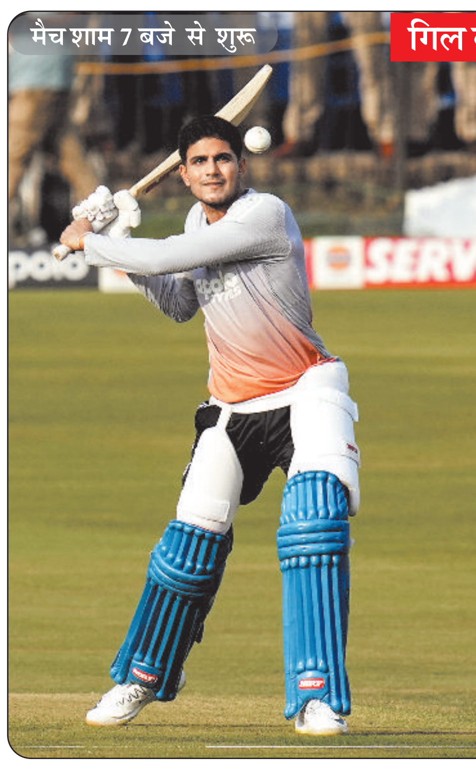

गिल के कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में गर्दन में अकड़न के कारण बाहर हो जाने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले आईपीएल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण और भारत के आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए उनके कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। लेकिन 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.89 की औसत से 837 रन बनाने वाले गिल के लिए यह श्रृंखला आईसीसी प्रतियोगिता से पहले अच्छी तैयारी करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गिल की वापसी से अभिषेक शर्मा के साथ उनकी मजबूत सलामी जोड़ी बनेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

अभी भी पदक जीतने का एक मौका : कोच श्रीजेश

चेन्नई। सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना

टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी। सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने कहा, 'यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षाएं थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाए। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते।' उन्होंने कहा, 'हमे काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

संकट में न्यूजीलैंड, टेस्ट सीरीज से 3 खिलाड़ी बाहर

क्राइस्टचर्च। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच न्यूजीलैंड की टीम संकट में है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर शेष सीरीज से बाहर हो गए हैं। राइट आर्म मीडियम बॉलर क्रिश्चियन क्लार्क को न्यूजीलैंड के खेमे में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी काफ इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि नाथन स्मिथ को साइड इंजरी है।

ये दोनों ही खिलाड़ी क्राइस्टचर्च में सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर अपनी ग्रोइन की समस्या से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, "नॉर्दर्न डिसट्रिक्ट्स के गेंदबाज क्रिश्चियन क्लार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले वेलिंगटन में टेस्ट टीम में शामिल होंगे। क्रिश्चियन आपका स्वागत है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर वेस्टइंडीज के विरुद्ध शेष टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इन खिलाड़ियों को बहुत जल्द वापस देखने का इंतजार है।"

पॉवेल की धमाकेदार पारी, दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल की धमाकेदार पारी की मदद से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को 83 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पॉवेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाए जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स (32 गेंदों पर 52 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की, जिससे दुबई कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चार विकेट पर 186 रन बनाए। इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई और दुबई कैपिटल्स ने आसान जीत हासिल की।

*Terms and Conditions applied *Above all schemes of ₹90000 saving, ₹5000 cashback, ₹2000 Cash discount, ₹2000 Exchange bonus,₹4999 down payment are at the sole discretion of the dealers. Above schemes are valid for December' 2025 month only & can be withdrawn at any time without prior notice. Above Ex-showroom price is mentioned for Standard model. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of the standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता एवं ब्रांच : बिलासपुर: ड्रीम होंडा- 07752 -409057, उसलापुर: ड्रीम होंडा- 9516661444, बिलासपुर: सरकंडा, मौसाजी होंडा-7024149881, 07752-412121, जगमल चौक: मौसाजी होंडा- 07752 -417070, 9109690484, अम्बिकापुर : महामाया होंडा- 7489027000, जसवानी होंडा- 8358065000, बैकुंठपुर: प्रमिला होंडा- 7000405012, जांजगीर-चांपा: गट्टानी होंडा - 7694011205,7694011206, कोरबा: विशाल होंडा- 94790-25937, 99939-98122, कृष्णा होंडा- 6232103020, जशपुर : देवनारायण होंडा - 9425251702, रायगढ़: शारदा होंडा - 9300473589, शांति ऑटो होंडा - 9343609281, मुंगेली: मानसी होंडा - 9131402454, 8649933333

For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy

इस देश में चलती हैं सफेद कारें, चाहकर भी दूसरा रंग नहीं खरीद सकते लोग

अश्गाबात। दुनिया में ऐसे कई देश हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनकी संस्कृति या प्राकृतिक सुंदरता से नहीं होती, बल्कि उनके अनोखे कानूनों से भी बनती है। हर देश अपने नागरिकों से कुछ खास नियमों का पालन करवाता है, लेकिन कुछ जगहों के नियम इतने अलग हैं कि सुनकर ही हैरानी होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही देश के बारे में बता रहे हैं जहां कार खरीदने से पहले उसका रंग सोचना पड़ता है, क्योंकि यहां सिर्फ सफेद रंग की कारें ही सड़कों पर चल सकती हैं। इस देश की राजधानी को दुनिया में सफेद संगमरमर का शहर कहा जाता है। कारण है, यहां की इमारतों, फुटपाथों और सरकारी कार्यालयों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक लगभग हर निर्माण में चमकदार सफेद संगमरमर का उपयोग किया गया है। सूरज की रोशनी इन पत्थरों पर पड़ते ही पूरी जगह उजली दिखाई देती है। दिन हो या शाम, यह शहर रोशनी से दमकता नजर आता है।

शहर के नाम है वर्ल्ड रिकॉर्ड

यह जगह सिर्फ सुंदरता ही नहीं बल्कि खर्च के मामले में भी दुनिया के महंगे शहरों में गिनी जाती है। सफेद संगमरमर की भारी मात्रा ने यहां की पहचान पूरी तरह बदल दी है। यही वजह है कि इस शहर को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह मिली. कहा जाता है कि दुनिया में कहीं भी इतनी ज्यादा संगमरमर वाली इमारतें एक ही शहर में नहीं दिखाई देतीं. साल 2000 के बाद यहां बड़े पैमाने पर विकास कार्य शुरू हुए. इस पुनर्निर्माण अभियान में लगभग 550 से अधिक नई संगमरमर की इमारतें बनाई गईं. इन इमारतों के बीच चलते हुए ऐसा लगता है जैसे पूरा शहर किसी विशेष विषय पर बनाया गया हो. सफेद पत्थरों की चमक इतनी अधिक है कि यहां रहने वालों को अक्सर धूप का चश्मा पहनना पड़ता है।

2018 में बना ये नियम

अब आते हैं सबसे दिलचस्प नियम पर। यह अनोखा देश है तुर्कमेनिस्तान और इसके राजधानी शहर अश्गाबात में 2018 में एक ऐसा नियम लागू किया गया, जिसके अनुसार सिर्फ सफेद या सफेद जैसे हल्के रंगों की कारें ही सड़क पर चल सकती हैं। इस नियम की शुरुआत तुर्कमेनिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुहामेदोव ने की। कहा जाता है कि उन्हें सफेद रंग से खास लगाव था। कुछ लोग इसे उनके पूर्व पेशे यानी डेंटिस्ट होने से भी जोड़कर देखते हैं, जहां सफेदी की विशेष महत्ता होती है। राष्ट्रपति की यह व्यक्तिगत पसंद धीरे धीरे शहर के नियम में बदल गई और फिर इसने पूरी राजधानी का स्वरूप प्रभावित किया।

नियम ने शहर को बनाया सुंदर

दिलचस्प बात यह है कि यहां का रंग नियम सिर्फ वाहनों तक सीमित नहीं है। शहर के डिजाइन, सजावट, सरकारी विज्ञापन और सार्वजनिक कला में भी वही सफेद सौंदर्य बनाए रखना जरूरी है। कई देशों में वास्तुकला अलग अलग शैलियों का मिश्रण होती है, लेकिन अश्गाबात को देखकर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने पूरे शहर को एक ही थीम पर तैयार किया हो. यहां के सरकारी भवन, मॉल, होटल, पार्क और यहां तक कि उनके अंदर की सजावट भी सफेद रंग को ही प्राथमिकता देती है।

शहर की शैली और सोच का प्रतीक

इस शहर में घूमते हुए आंखें जहां भी जाएं, सफेदी ही नजर आती है। यही वजह है कि यहां की खूबसूरती अपने आप में अद्वितीय लगती है। पर्यटक यहां सिर्फ घूमने नहीं आते, बल्कि इस शहर की असाधारण वास्तुकला और अनोखे नियमों को देखने भी आते हैं। तुर्कमेनिस्तान का यह सफेद शहर दुनिया को यह दिखाता है कि कानून सिर्फ व्यवस्था के लिए नहीं बनते, कभी कभी नियम किसी जगह की पहचान भी बन जाते हैं। यहां सफेद रंग सिर्फ एक रंग नहीं, बल्कि इस शहर की शैली और सोच का प्रतीक बन चुका है।

रोचक खबरें

मलावाड़ी गांव की 'राधा' बनी दुनिया की सबसे छोटी भैंस

मुंबई। महाराष्ट्र के मलावाड़ी गांव की शांत गलियों में इन दिनों एक खास मेहमान सबका ध्यान खींच रही है। इस छोटी-सी भैंस का नाम है राधा, जो अब दुनिया की सबसे छोटी भैंस के तौर पर मशहूर हो चुकी है। लोग दूर-दूर से उसे देखने आ रहे हैं और गांव में खुशी का माहौल बना हुआ है। राधा की ऊंचाई सिर्फ 2 फीट 8 इंच है। वह त्रिंबक बोराटे के फार्म पर रहती है और मुर्रा हाइब्रिड नस्ल की भैंस है। आम भैंसें जहां 8 से 9 फीट लंबी होती हैं, वहीं राधा उनसे काफी छोटी है। त्रिंबक बोराटे के बेटे अनिकेत एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर चुके हैं, वह राधा को फार्म शो में लेकर गए थे। राधा ने पहली बार 21 दिसंबर को एक इवेंट में हिस्सा लिया और अब तक वह 13 से ज्यादा एग्जिबिशन में जा चुकी है। उसकी क्यूटनेस और शांत स्वभाव ने लोगों का दिल जीत लिया। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में राधा का नाम दर्ज होने के बाद उसका परिवार बहुत खुश है। अनिकेत का कहना है कि अब राधा इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन करेगी और दुनिया भर में लोगों का दिल जीतेगी। दुनिया के सबसे लंबे भैंसे की बात करें तो, थाईलैंड की मशहूर भैंस किंग कांग की ऊंचाई 6 फीट से ज्यादा है। राधा उससे लगभग 4 फीट छोटी है, लेकिन पॉपुलैरिटी में किसी से कम नहीं है।

शांत ज्वालामुखी के नीचे छिपा है अकूत लिथियम, अमेरिका के अब मजे ही मजे

न्यूयार्क। हाल में ही अमेरिका के सुपरज्वालामुखी के नीचे दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार मिला है, जिसकी कीमत $1.5 ट्रिलियन बताई जा रही है। नेवादा-ओरेगॉन सीमा पर स्थित एक प्राचीन सुपरज्वालामुखी द्वारा निर्मित शांत बेसिन मैकडरमिट काल्डेरा, अब ऊर्जा बाजार के लिए एक नया केंद्र बन चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार छिपा है, जिसे थैकर पास नाम दिया गया है। लिथियम वह प्रमुख तत्व है जिसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कारों, स्मार्टफोन में किया जाता है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस भंडार में 20 से 40 मिलियन मीट्रिक टन लिथियम हो सकता है। यह मात्रा बोलिविया के साला डी यूनुई के भंडार से दोगुनी हो सकती है। यदि यह सफलतापूर्वक निकाला गया तो अमेरिका स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में एक जरूरी खिलाड़ी बन जाएगा। यह विशाल काल्डेरा 16 मिलियन वर्ष पहले एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट से बना था। हाल के शोध से पता चला है कि विस्फोट के बाद हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थों ने मैग्नीशियम से भरपूर क्ले को इलाइट नामक एक विशेष क्ले में बदल दिया था। थैकर पास में इस इलाइट क्ले में लिथियम की सांद्रता बहुत अधिक है। कुछ जोन में यह वजन के हिसाब से 2.4% तक है, जबकि सामान्य लिथियम क्ले डिपॉजिट में यह 1% से भी कम होती है।

शख्स ने बना डाली ऐसी कलाकृति जिसे इंसानी आंखों से देखना असंभव!

लंदन। बड़े चित्र या कलाकृतियां बनाना तो आसान है, मगर जब उनका साइज छोटा हो तो निर्माण मुश्किल हो जाता है क्योंकि डिजाइन करने की स्पेस बेहद कम हो जाती है। मगर एक शख्स ने तो कमाल ही कर दिया। उसने ऐसी कलाकृति बना डाली जो इतनी छोटी है कि उसे इंसानी आंखों से नहीं देखा जा सकता। उसने 6 हफ्तों की मेहनत से सफलता हासिल की है। ब्रिटेन के एक कलाकार ने दुनिया की सबसे छोटी मूर्ति बनाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 56 वर्षीय डेविड ए. लिंडन ने 'द येलो स्माइली फेस' नाम की यह छोटी सी कलाकृति तैयार की है, जिसकी लंबाई मात्र 11.037 माइक्रोन और चौड़ाई 12.330 माइक्रोन है। यह आकार इतना सूक्ष्म है कि इसे सीधे आंखों से देख पाना असंभव है। डेविड इससे पहले भी सबसे छोटी हस्तनिर्मित मूर्ति बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनकी पिछली रचना 'द लेगो ब्रिक'का आकार 0.02517 मिमी × 0.02184 मिमी था। इस बार उन्होंने उससे भी आधा आकार बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया

रोबोट की मदद लेने को मजबूर हुई सरकार

जापान में याददाश्त खोते लोगों से खड़ा हो रहा है महासंकट

टोक्यो। जापान में डिमेंशिया (स्मृतिभ्रंश यानी याददाश्त खो देना) एक बड़ा संकट बनता जा रहा है। जापान में पिछले साल, 2024 में डिमेंशिया से पीड़ित करीब 18,000 बुजुर्ग अपने घर का रास्ता भूलकर भटक गए। इनमें से 500 की लाश बाद में लावारिस हालत में बरामद हुई। जापानी अधिकारियों का कहना है कि 2012 के बाद से यानी बीते 12 साल में ऐसे मामलों की संख्या दोगुनी हो गई हैं। ऐसे में जापान की सरकार डिमेंशिया को बड़ी चुनौती की तरह देख रही है। सरकार ने इससे निपटने के लिए अब तकनीक का सहारा लेने का फैसला लिया है।

जापान सरकार की बढ़ी चिंता

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की सरकार ने डिमेंशिया को अपनी सबसे जरूरी नीतियों में से एक माना है। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय का अनुमान है कि साल 2030 तक डिमेंशिया से जुड़ी स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल पर होने वाला खर्च बढ़कर 14 ट्रिलियन येन (90 अरब डॉलर) हो जाएगा। फिलहाल यह खर्च 9 ट्रिलियन येन है। जापान में उन लोगों को ट्रैक करने के लिए जीपीएस आधारित सिस्टम अपनाया जा रहा है, जो भटक जाते हैं। कई इलाकों में पहनने योग्य जीपीएस टैग दिए जा रहे हैं। ये टैग तुरंत अधिकारियों को सूचित कर देते हैं, अगर कोई व्यक्ति तय की गई जगह से बाहर जाता है। यह एक तरह का सामुदायिक सुरक्षा जाल है, जो कुछ ही घंटों में लापता व्यक्ति का पता लगा सकता है।

डिमेंशिया से निपटेंगी तकनीक!

डिमेंशिया का जल्दी पता लगाने के लिए भी नई तकनीकें विकसित की जा रही हैं। फुजित्सु का एआई सिस्टम कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता डिमेंशिया के शुरुआती लक्षणों- चलते समय पैर घसीटना या खड़े होने में कठिनाई का पता लगा सकता है। फुजित्सु के प्रवक्ता हिडेनोरि फुजिवारा का कहना है कि उम्र से जुड़ी बीमारियों का जल्दी पता लगाना जरूरी है, ताकि डॉक्टर हस्तक्षेप कर सकें। वासेडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता एआईआरईसी नाम का एक रोबोट विकसित कर रहे हैं। यह 150 किलोग्राम का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है, जिसे भविष्य का देखभाल सहायक माना जा रहा है। यह रोबोट मोजे पहनने और अंडे फेंटने से लेकर कपड़े तह करने जैसे काम करेगा। वासेडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि भविष्य में एआईआरईसी बड़ा मददगार होगा।

इंसान की जगह लेना मुश्किल

एक्सपर्ट का कहना है कि डिवाइस और रोबोट सहायता के नए तरीके प्रदान करते हैं। इससे जापान जैसे देश में उम्मीद बंधती है, जहां पहले ही बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए जवान आबादी कम है। हालांकि, इन तकनीकों के जरिए मानवीय जुड़ाव को नहीं बदला जा सकता है। वासेडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक मियाके कहते हैं, 'रोबोट को इंसानी देखभाल करने वालों का स्थान नहीं लेना चाहिए, सिर्फ उनकी मदद करनी चाहिए। हालांकि, वे कुछ काम संभाल सकते हैं। ऐसे में उनकी मुख्य भूमिका देखभाल करने वालों और मरीजों दोनों की सहायता करना ही है।

वैज्ञानिक भी नहीं कर पाए यकीन

अरबों साल से जमीन में सोया था आर्थ्रोपोड, सही-सलामत निकले सारे अंग

बीजिंग। दुनिया में हर दिन ऐसी खोज होती हैं, जो वैज्ञानिकों को हैरान कर देती हैं। अब वैज्ञानिकों ने 520 मिलियन साल पुराना जीवाश्म मिला है और उसके अंदरुनी अंग एकदम ठीक हैं। अब वैज्ञानिक 'आर्थ्रोपोड' के पूर्वजों के बारे में और ज्यादा जानकारी हासिल कर पाएंगे। आर्थ्रोपोड यानी जंतु जगत का सबसे बड़ा संघ। इसमें केकड़े, झींगे, कीड़े, मकड़ियां और बिच्छू जैसे जीव शामिल हैं। जोड़ों वाले पैरों और काइटिन के बने बाह्यकंकाल से इनकी पहचान की जाती है।

यूटी युआनशी है नए जीवाश्म का नाम

डरहम यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने चीन में यह खोज की और अपनी खोजों को नेचर जर्नल में पब्लिश किया। इस जीवाश्म का नाम यूटी युआनशी रखा गया है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह जीवाश्म एक लार्वा से जुड़ा है और यह बेहद छोटा है। इसकी स्कैनिंग के लिए एक जटिल टेक्नोलॉजी की जरूरत है। टीम ने यूटी युआनशी को स्कैन करने के लिए एडवांस्ड स्कैनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक प्रेस रिलीज में बताया कि दिमाग के छोटे हिस्सों, पाचन ग्रंथियों, एक पुराने सर्कुलेटरी सिस्टम और यहां तक कि लार्वा के साधारण पैरों और आंखों को सप्लाई करने वाली नसों के निशान की 3डी इमेजिंग की गई। इस स्टडी को लीड करने वाले डरहम यूनिवर्सिटी के डॉ. मार्टिन स्मिथ ने जीवाश्म की खोज को लेकर कहा कि इसका उन्होंने लंबे वक्त से ख्वाब देखा था। यह जीवाश्म फिलहाल चीन की युन्नान यूनिवर्सिटी में है।

वैज्ञानिक बोले- इस दिन के सपने देखते थे

स्मिथ ने कहा, 'जब मैं उस फॉसिल के बारे में दिन में सपने देखता था जिसे मैं सबसे ज्यादा खोजना चाहता था, तो मैं हमेशा एक आर्थ्रोपॉड लार्वा के बारे में सोचता था, क्योंकि डेवलपमेंटल डेटा उनके एवोल्यूशन को समझने के लिए बहुत जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा कि लार्वा बहुत नाजुक होते हैं, इसलिए माना जाता था कि इसका फॉसिल मिलना लगभग नामुमकिन है। लेकिन, जब टीम को यह सैंपल मिला, तो वे हैरान रह गए क्योंकि उन्हें न सिर्फ एक फॉसिल लार्वा मिला था, बल्कि उसके अंग भी पूरी तरह से सही-सलामत थे।

क्वांटम की सबसे बड़ी मिस्ट्री सॉल्व! 100 साल बाद गलत साबित हुए आइंस्टीन

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिकों की एक टीम ने करीब 100 साल पहले अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा दिए गए एक मशहूर एक्सपेरिमेंट को फिर से किया है। इस प्रयोग से क्वांटम यांत्रिकी का एक जरूरी सिद्धांत सही साबित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनके इस प्रयोग से पता चला कि किसी कण का रास्ता और उसका तरंग जैसा व्यवहार, इन दोनों को एक साथ नहीं देखा जा सकता. यह बात क्वांटम चीजों की प्रकृति के बारे में नील्स बोहर के विचार को सही साबित करती है।

चीनी वैज्ञानिकों की रिपोर्ट

कैसे की गई ये स्टडी?

टीम ने बहुत ही संवेदनशील उपकरण बनाए जो एक अकेले फोटॉन की छोटी सी हरकत का भी पता लगा सकते थे। जब उन्होंने कण का रास्ता मापने की कोशिश की तो व्यतिकरण पैटर्न खत्म हो गया। जब वे व्यतिकरण पैटर्न को देखते हैं तो पार्टिकल्स का रास्ता पता लगाना नामुमकिन हो जाता है।

क्या था आइंस्टीन का विचार?

अल्बर्ट आइंस्टीन ने सोचने वाला एक्सपेरिमेंट सुझाया था. यह डबल स्लिट प्रयोग का ही बदला हुआ रूप था, जिसका मकसद यह दिखाना था कि कण और तरंग दोनों गुणों को एक साथ मापना शायद संभव है। अगर यह सच हो जाता तो बोहर का सिद्धांत गलत साबित हो जाता। कई दशकों तक आइंस्टीन की यह चुनौती सिर्फ कागजों तक सीमित थे। लेकिन, अब प्रोफेसर पान जियाववेई के नेतृत्व में चीन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की टीम ने इसे असली प्रयोग में बदला।

क्या थी ये थ्योरी?

1927 में ब्रुसेल्स में हुए एक सम्मेलन में भौतिक वैज्ञानिकों ने क्वांटम यांत्रिकी की नींव पर बहस शुरू की थी। आइंस्टीन इस सिद्धांत पर शक करते थे और उन्होंने बौहर के पूरकता के सिद्धांत को चुनौती देने की कोशिश की थी। बोहर के मुताबिक, फोटॉन जैसे क्वांटम कण एक ही समय में कण और तरंग दोनों की तरह व्यवहार कर सकते हैं।

गर्भ में लीवर से चिपकी थी बच्ची सर्जरी से बचाई मां-बेटी की जान!

लीमा। मेडिकल साइंस ने लगातार प्रगति की है, लेकिन आज भी कुछ मामले ऐसे सामने आते हैं जो डॉक्टरों को हैरान कर देते हैं। ये दुर्लभ घटनाएं चिकित्सा जगत के लिए चुनौती और प्रेरणा दोनों होती हैं। ऐसा ही एक अत्यंत दुर्लभ चमत्कार हाल ही में सामने आया, जहां पेरू की रहने वाली महिला ने एक ऐसी स्वस्थ बच्ची को जन्म देकर डॉक्टरों को चौंका दिया, जो उसके गर्भाशय की जगह लिवर से चिपकी हुई थी। बच्ची का निषेचित अंडा गर्भाशय के बजाय मां के लिवर से जुड़ गया था। इस दुर्लभ कंडिशन को हेपेटिक एक्टोपिक प्रेग्नेंसी कहा जाता है। ऐसी प्रेग्नेंसी तब होती है, जब निषेचित अंडा गर्भाशय के बजाय लिवर में प्रत्यारोपित हो जाता है। हालांकि, इस स्थिति में गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ-साथ उसकी मां के जान को भी खतरा होता है। लेकिन, इस मामले में दोनों बिल्कुल सुरक्षित हैं।

बता दें कि लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है, जिसमें रक्त की प्रचुर आपूर्ति होती है। इस कारण से इस स्थिति से अक्सर गंभीर आंतरिक रक्तस्राव होता है, जिससे मां और बच्चे दोनों के लिए मृत्यु दर का खतरा बहुत अधिक होता है। पेरू के लीमा के पास सैन मार्टिन डी पोरेस में कैयेटानो हेरेडिया नेशनल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने इसे 'चमत्कार' बताया है।

दुनिया का सबसे रहस्यमयी समुद्र, जिसमें नहीं डूब सकता कोई

नई दिल्ली। धरती की सतह का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका है। इसके कारण धरती को नीला ग्रह भी कहा जाता है। इसका अधिकतर हिस्सा करीब 97 प्रतिशत महासागरों में खारे पानी के रूप में मौजूद है। सिर्फ तीन फीसदी पानी मीठा है और उसमें से भी ज्यादातर ग्लेशियरों में जमा है। बहुत कम पानी का मात्रा नदियों, झीलों और भूजल में पीने योग्य है। आज हम आपको धरती पर सबसे ज्यादा नमकीन माने जाने वाले समुद्र के बारे में बताएंगे।

समुद्री जल से 10 गुना नमकीन

दुनिया का सबसे खारा यानी सबसे नमकीन समुद्र मृत सागर को माना जाता है। इसमें 34 फीसदी नमक सांद्रता ज्यादा होने की वजह से ही इसे यह नाम दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, यह सामान्य समुद्री जल से करीब दस गुना ज्यादा नमकीन है। मृत सागर की कोई निकासी नहीं है, जिसके कारण बहता पानी कभी बाहर नहीं निकलता है। इससे हजारों वर्षों से खनिजों का निक्षेपण हो रहा है।

कहां है सबसे खारा समुद्र : दुनिया का सबसे नमकीन समुद्र मृत सागर पूर्व में जॉर्डन और पश्चिम में इजराइल तथा फिलिस्तीन के बीच स्थित है। यह समुद्र तल से करीब 430 मीटर नीचे है। लाखों साल पहले टेक्टॉनिक परिवर्तनों से इस सागर का निर्माण हुआ है और इसका लंबा इतिहास है। कई प्राचीन ग्रंथों और सभ्यताओं में इसका इतिहास दर्ज है। उच्च तापमान वाले मरुस्थलीय क्षेत्र में मृत सागर स्थित है, जिसकी वजह से पूरे साल भारी वाष्पीकरण होता है।

क्या जीवों की हो सकती है मौत?

मृत सागर की लवणता धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। सिर्फ एक जॉर्डन नदी ऐसी है, जिसका एक निश्चित मात्रा में ताजा पानी इसमें मिलता है। इसके कारण समय के साथ नमक जमा होता जाता है। मृत सागर की नमकीन पानी ज्यादातर समुद्री जीवों के लिए रहने लायक नहीं है। मछली, पौधे और शैवाल ऐसी कठोर परिस्थितियों में जिंदा नहीं रह सकते। इस समुद्र की लवणता कोशिकाओं की नमी को सोख लेती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com